बालाघाट
गुरुवार 11 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 257
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

36 हजार भारतीय सिम कंबोडिया में एक्टिव

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंबोडिया से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान और पंजाब में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। जांच में खुलासा हुआ है कि हजारों भारतीय सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिव कर विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाए जा रहे थे, जिनका इस्तेमाल भारत में बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान एजेंसी ने करीब 2.3 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। इसमें सामने आया कि लगभग 36 हजार भारतीय सिम कार्ड कंबोडिया में सक्रिय थे। इनमें से करीब 5300 सिम कार्ड सीधे तौर पर भारत में साइबर फ्रॉड के मामलों में इस्तेमाल किए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार इन नंबरों के जरिए देशभर में सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया।

ब्लास्ट में सेना के दो जवान शहीद

जम्मू। उरी के कमलकोट में नियंत्रण रेखा के पास हुए एक आकस्मिक विस्फोट में दो सेना के जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। मंगलवार देर शाम हुई इस घटना में घायल जवानों ने बाद में दम तोड़ दिया। यह घटना उस समय हुई जब वे अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद दोनों जवानों को गंभीर हालत में श्रीनगर के बादामीबाग स्थित 92 बेस अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का हर संभव प्रयास किया। हालांकि, उनकी चोटें इतनी गंभीर थीं कि तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस दुखद घटना से परिवारों में शोक की लहर है। यह आकस्मिक विस्फोट नियंत्रण रेखा के बेहद संवेदनशील इलाके कमलकोट में हुआ। ऐसे क्षेत्रों में अक्सर बारूदी सुरंगों या पुराने आयुधों से खतरा बना रहता है। विस्फोट की सटीक प्रकृति और कारणों की जांच अभी जारी है।

मोदी सरकार ने वीबी-जी राम जी के तहत 95,692 करोड़ रुपये आवंटित किए

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने देश की नई ग्रामीण रोजगार योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) के तहत राज्यों को अंतरिम फंड आवंटन की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल 95,692.31 करोड़ रुपये का प्रावधान हुआ है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसकी घोषणा की। इस आवंटन में उत्तर प्रदेश को सर्वाधिक 9,721.48 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं, जबकि पश्चिम बंगाल 8,508 करोड़ रुपये के साथ दूसरा शीर्ष लाभार्थी राज्य है।

कुछ ना कहना

मीनाक्षी नटराजन को नहीं मिली राहत

-केंद्रीय चुनाव ने भी रद्द किया नामांकन, सुप्रीम कोर्ट जाएगी कांग्रेस

-मप्र के राज्यसभा प्रत्याशियों की फाइनल लिस्ट में केवल भाजपा के तीनों उम्मीदवारों के नाम

भोपाल/ नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। मप्र से कांग्रेस प्रत्याशी रही मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द रहेगा। चुनाव आयोग ने इसे लेकर अपना फैसला कायम रखा। चुनाव आयोग ने मीनाक्षी नटराजन के आपराधिक मामला छुपाने को आधार बनाया। जिसके बाद मीनाक्षी का नामांकन रद्द माना जाएगा। इस फैसके के बाद अब कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

उधर, भोपाल में राज्यसभा के रिटर्निंग ऑफिसर ने मध्य प्रदेश के राज्यसभा उम्मीदवारों की स्क्रूटनी के बाद फाइनल लिस्ट जारी कर दी है। इनमें भाजपा प्रत्याशियों तरुण चुग, महेश केयट और रजनीश अग्रवाल के नाम शामिल हैं। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म 9 जून को रिटर्निंग ऑफिसर ने निरस्त कर दिया था। इसके बाद बुधवार को कांग्रेस के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को दिल्ली में निर्वाचन आयोग से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा,मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द करने का रिटर्निंग ऑफिसर का फैसला गलत है और कानून के मुताबिक नहीं है। जिस आधार पर नामांकन रद्द किया गया, उसका कानून में कोई प्रावधान नहीं है। नटराजन के खिलाफ ऐसा कोई आपराधिक मामला नहीं था, जिसका उन्हें खुलासा करना पड़ता। कोर्ट ने सिर्फ एक नोटिस भेजा था। इसमें नटराजन से पूछा गया था कि मामले में आगे सुनवाई शुरू की जाए या नहीं। प्रतिनिधिमंडल में केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, रणदीप सुरजेवाला, सचिन पायलट, भूपेश बघेल, विवेक तन्खा शामिल थे।

उपवास पर बैठे, कानूनी लड़ाई की भी तैयारी

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद कांग्रेस ने विरोध की लड़ाई सड़क से लेकर अदालत तक ले जाने का ऐलान कर दिया है। बुधवार को राजधानी के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उपवास शुरू कर चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। धरना-उपवास में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, अरुण यादव, आरिफ मसूद, आतिफ अकील समेत बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने नामांकन निरस्त करने की कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए इसे राजनीतिक दबाव का परिणाम बताया।

कांग्रेस ने हार के डर से जानबूझकर की गलती

मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त होने पर तीखा हमला बोलते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हार के डर से और अपनी आंतरिक खींचतान के कारण जानबूझकर अपने राज्यसभा प्रत्याशी के नामांकन पत्र में गलती की है। इस सीट पर कांग्रेस के ही कई लोगों की नजर थी। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए आगे कहा कि जब कोई पंच या सरपंच का चुनाव लड़ता है तो वह बी अपने फॉर्म में सारी जानकारियां सही भरता है लेकिन कांग्रेस के ऐसे नेता जो कई बार चुनाव लड़ चुके हैं वो भी आपराधिक मामलों की जानकारी छिपा गए।

खरीद-फरोख्त नहीं हुई तो अपनाया दूसरा रास्ता

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने आरोप लगाया कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन तकनीकी आधार पर गलत तरीके से निरस्त किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा को जब यह महसूस हुआ कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट हैं और किसी तरह की टूट-फूट संभव नहीं है, तब प्रशासनिक और कानूनी रास्तों का सहारा लेकर प्रत्याशी को चुनाव से बाहर करने की कोशिश की गई।

राजनीतिक लड़ाई अब और तेज होगी

नामांकन रद्द होने के बाद कांग्रेस लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है। मंगलवार देर रात तक निर्वाचन कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने के बाद अब पार्टी ने उपवास, चुनाव आयोग में शिकायत और न्यायालय की शरण लेने जैसे विकल्पों पर एक साथ काम शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में यह मामला प्रदेश की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बन सकता है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के विरोध में कांग्रेस ने भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर उपवास शुरू कर दिया है। दिग्विजय सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हुए। पार्टी चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने के साथ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी भी कर रही है।

एनडीए सरकार के 12 वर्ष पूरे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गिनाईं उपलब्धियां और विकसित भारत का रखा विजन

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के केंद्र में 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एनडीए कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया और विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर अपना विजन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से 2026 तक की यात्रा केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस नए भारत की कहानी है जिसने अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश ने पिछले 12 वर्षों में राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और विकास का लाभ देखा है। उन्होंने दावा किया कि जो काम पहले दशकों में पूरे होते थे, वे अब महीनों में पूरे होने लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वर्ष 2025-26 में देश ने 7.7 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, जनकल्याणकारी योजनाओं और मध्यम वर्ग के सशक्तीकरण को सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में गिनाया। उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक मंच पर नई पहचान बनाई है और देश के युवा, महिलाएं तथा किसान विकास यात्रा के केंद्र में हैं।

शाह और राजनाथ सिंह ने की सराहना

केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एनडीए सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की जमकर सराहना की। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कार्यकाल को भारतीय राजनीति और शासन व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक बताया। अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक स्वीकृति का नया मानक स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए के सहयोगी दलों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों से ही पूरा होगा। उन्होंने सभी सहयोगी दलों से आने वाले वर्षों में और अधिक ऊर्जा तथा समर्पण के साथ देश सेवा में जुटने का आह्वान किया।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में आज होगी नीति आयोग की 11वीं बैठक

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और उप-राज्यपाल होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक की थीम 'विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास रखी गई है। इस बैठक में देश भर के मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों', केंद्रीय मंत्रियों और नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है।

बैठक का केंद्र समावेशी मानव विकास फ्रेमवर्क होगा, जो चार प्रमुख क्षेत्रों पर आधारित है। इनमें बुनियादी मानव पूंजी और भविष्य के लिए आवश्यक स्किल्स, उत्पादक रोजगार और उद्यमिता, स्वास्थ्य एवं पोषण और सभी के लिए समानता और सम्मान शामिल हैं। बैठक में नौकरियों के सृजन, स्किल विकास और समग्र विकास परिणामों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

रोडमैप और सिफारिशों की समीक्षा

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बैठक में एक रोडमैप पर चर्चा होगी जो सुशासन में सुधार, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, विभिन्न योजनाओं के बीच तालमेल, पार्टनरशिप और डेटा-आधारित निगरानी प्रणाली पर केंद्रित रहेगा। इसमें कम, मध्यम और लंबे समय के लक्ष्यों की निगरानी भी शामिल होगा। इसके अलावा, समावेशी मानव विकास के राष्ट्रीय विजन को राज्य-स्तरीय योजनाओं के साथ जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा। गवर्निंग काउंसिल 26 से 28 दिसंबर 2025 तक हुई मुख्य सचिवों की पांचवीं राष्ट्रीय सम्मेलन से निकली सिफारिशों की भी समीक्षा करेगी। ये सिफारिशें शुरुआती शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्किलिंग, उच्च शिक्षा और खेल से संबंधित हैं। बैठक में केंद्र शासित प्रदेशों के उप-राज्यपाल, प्रशासक, केंद्रीय मंत्री, नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और सीईओ समेत सभी प्रमुख हितधारक शामिल होंगे।

ममता की करीबी सुष्मिता देव का राज्यसभा से इस्तीफा

भाजपा में जा सकती हैं; 3 दिन में टीएमसी के दो राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ी

नई दिल्ली। ममता बनर्जी की करीबी रहीं सुष्मिता देव ने बुधवार को राज्यसभा सांसद से इस्तीफा दे दिया। साथ ही टीएमसी पार्टी भी छोड़ दी। इस्तीफा देने के बाद सुष्मिता की असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा के साथ मुलाकात की एक तस्वीर भी सामने आई। सूत्रों के मुताबिक, सुष्मिता भाजपा में शामिल हो सकती हैं।

पिछले 3 दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। इस्तीफे में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया था।

टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं। 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है।

झारखंड राज्यसभा चुनाव का सस्पेंस खत्म : निर्दलीय परिमल नथवाणी का नामांकन वैध

रांची । झारखंड में राज्यसभा चुनाव की स्क्रूटनी प्रक्रिया को लेकर पिछले 24 घंटे से चला आ रहा हाई-वोल्टेज ड्रामा और सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। तमाम राजनीतिक आपत्तियों, तीखी बहसों और विवादों के बीच चुनाव अधिकारी ने निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी के नामांकन पर लगा होल्ड हटा लिया है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और दस्तावेजों की बारीकी से जांच करने के बाद निर्वाची अधिकारी ने नथवाणी के पर्चे को पूरी तरह वैध करार दिया है। इस फैसले के आते ही विधानसभा परिसर के बाहर मौजूद समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई, वहीं अब झारखंड राज्यसभा की सियासी जंग बेहद दिलचस्प और त्रिकोणीय हो गई है।

परिमल नथवाणी के नामांकन पत्र में उनके नाम के मिलान और हिंदू अविभाजित परिवार से जुड़े कुछ तकनीकी दस्तावेजों को लेकर गंभीर विसंगतियों का आरोप लगाया गया था। इन आपत्तियों के बाद बुधवार को स्क्रूटनी के दौरान चुनाव अधिकारी ने उनके नामांकन को होल्ड पर रख दिया था, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया था। आज दोनों पक्षों के बीच हुई मैराथन सुनवाई में नथवाणी के वकीलों द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर सभी आपत्तियों को सिरे से खारिज कर दिया गया और उन्हें क्लीन चिट मिल गई।

नथवाणी का पत्ता काटने के लिए कांग्रेस ने इस बार अपनी पूरी राजनीतिक और कानूनी ताकत झोंक दी थी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसके विरोध में विधानसभा के भीतर और बाहर जमकर हंगामा, प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस कानूनी लड़ाई को धार देने के लिए कांग्रेस ने देश के नामचीन वकील और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सलमान खुर्शीद को विशेष रूप से दिल्ली से चार्टर्ड प्लेन के जरिए रांची बुलाया था। हालांकि, सुरक्षा और तय नियमों का हवाला देते हुए प्रशासन ने सलमान खुर्शीद को विधानसभा के भीतर जाने की अनुमति नहीं दी, जिसके कारण उन्होंने बाहर से ही अपनी कानूनी रणनीति को आगे बढ़ाया। परिमल नथवाणी का रास्ता साफ होने के बाद अब झारखंड की राज्यसभा रेस में तीन धुरंधर मैदान में बचे हैं, जिससे मुकाबला पूरी तरह त्रिकोणीय हो चुका है। मैदान में अब झामुमो-गठबंधन के साझा उम्मीदवार वैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और निर्दलीय परिमल नथवाणी ताल ठोक रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आंकड़ों के लिहाज से सत्ताधारी गठबंधन के वैद्यनाथ राम की जीत सुनिश्चित है। असली और कांटे की टक्कर दूसरी सीट के लिए कांग्रेस के प्रणव झा और परिमल नथवाणी के बीच होनी है।

आरएसएस मुख्यालय,सीएम दफ्तर उड़ाने की धमकी

खालिस्तान नाम से भेजे गए ईमेल, महाराष्ट्र में जांच एजेंसियां सतर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में बुधवार को आरएसएस मुख्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय और मुंबई-पुणे के मेयर कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। ईमेल खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले ग्रुप की ओर से भेजे गए थे। इसके बाद कई इमारतें खाली कराई गईं और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। नागपुर की मेयर नीता ठाकरे को एक ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि महाल स्थित आरएसएस मुख्यालय और रेशीमबाग के डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन में विस्फोटक लगाया गया है। सूचना मिलते ही बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड को मौके पर भेजा गया। पूरे परिसर और आसपास के संवेदनशील इलाकों की जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

विनोद उपाध्याय / 10 जून, 2026

राम को काल्पनिक कहने पर राहुल के खिलाफ दोबारा सुनवाई

वाराणसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से भगवान राम को कथित तौर पर 'मिथकीय पात्र' बताए जाने संबंधी टिप्पणी को लेकर दायर शिकायत मामले में वाराणसी की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज करने वाले आदेश को रद्द करते हुए मामले की नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने कहा कि संबंधित मजिस्ट्रेट सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसलों के आलोक में मामले की दोबारा सुनवाई करें और कानून के अनुसार नया आदेश पारित करें। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि हरिशंकर पांडेय बनाम राहुल गांधी एवं अन्य में 27 मई 2025 को पारित मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त किया जाता है और मामले पर पुन: विचार किया जाए।

भगवान राम को पौराणिक बताया

दरअसल, राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। राहुल ने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को पौराणिक बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था। इस मामले में वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

अविमुक्तेश्वरानंद पर दो बटुकों से यौन शोषण का केस दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी बोले

शंकराचार्य पर करवाई थी फर्जी एफआईआर

रामभद्राचार्य के शिष्य ने दबाव डाला, साजिश में कई अफसर शामिल

मथुरा/प्रयागराज/शामली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर दो बटुकों से यौन शोषण का केस दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने मंगलवार को फेसबुक पर वीडियो जारी कर कहा कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी रामचंद्र दास ने दबाव डालकर अविमुक्तेश्वरानंद पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया था। इस साजिश में कई अफसर भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि मुझे गुमराह किया गया था। इन्होंने किस तरह हमें बर्बाद किया और क्यों हमारे ऊपर इतना बड़ा कांड मुझसे कराया, इसका मैं जल्द खुलासा करूंगा। सारे एविडेंस मेरे पास उपलब्ध हैं। इनकी वॉट्सऐप चैट भी मेरे पास है। अगर मेरे गुरु जगद्गुरु रामभद्राचार्य की हत्या होती है, तो इसके लिए रामचंद्र दास ही जिम्मेदार होंगे।

रामचंद्र दास कुकर्मी-ढोंगी है

आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि रामचंद्र दास कुकर्मी, ढोंगी और फ्रॉडी है। वह हमारा ही गुरु भाई है। यह मेरा दुर्भाग्य है कि मैं उससे इस प्रकार जुड़ गया। मैं जगद्गुरु रामभद्राचार्य का सम्मान करता हूं और आजीवन करता रहूंगा, लेकिन गुरु की हत्या कराने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब मथुरा एसएसपी को एक शिकायती पत्र भेजा है। रामचंद्र ने फर्जी वसीयत बनाकर श्री देव बाबा जी आश्रम पर कब्जा किया। मामला कोर्ट में जाएगा और अगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो वह कोर्ट जाएंगे। सत्य की लड़ाई लड़ूंगा, चाहे कोई भी हो। जैसे मैंने अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उसी तरह रामचंद्र दास के खिलाफ भी कोर्ट में लड़ूंगा।

अनिल अंबानी को मिली अंतरिम सुरक्षा

मुंबई। उद्योगपति अनिल अंबानी को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने उन्हें काला धन अधिनियम के तहत उन पर मुकदमा चलाने और जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। अंबानी ने अपनी याचिका में इस अधिनियम के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। उनकी याचिका को उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है।

न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने यह आदेश दिया। पीठ ने नोट किया कि इस अधिनियम के खिलाफ अन्य याचिकाएं भी दायर की गई हैं। अदालत ने अंबानी की याचिका को स्वीकार कर लिया है। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को इस याचिका के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह भी कहा कि अंबानी के खिलाफ एक मूल्यांकन आदेश पहले ही पारित हो चुका है। उन्होंने आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील दायर की है। उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह अपील आगे बढ़ सकती है। हालांकि, याचिका के अंतिम निपटारे तक अंबानी के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसमें अभियोजन और जुर्माना भी शामिल है।

कलेक्टर ने ली कृषि, उद्यान, पशुपालन एवं मत्योद्योग विभाग के अधिकारियों की बैठक

खरीफ सीजन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की, उर्वरक उठाव पर कड़ी निगरानी और सत्यापन के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने बुधवार को कृषि एवं उससे जुड़े विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर खरीफ सीजन 2026 की तैयारियों का जायजा लिया तथा किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ सहित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य एवं कृषि उपज मंडी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम जिले में उर्वरकों की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है तथा सभी सहकारी समितियों और डबल लॉक केंद्रों में उसका भंडारण किया गया है। किसानों को ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उर्वरक के उठाव पर सतत निगरानी रखें तथा यह सुनिश्चित करें कि उर्वरक का उपयोग केवल कृषि कार्यों के लिए ही हो। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान अधिक मात्रा में उर्वरक प्राप्त करता है तो उसके भूमि रकबे के आधार पर सत्यापन किया जाए और यह देखा जाए कि उसने आवश्यकता के अनुरूप ही उर्वरक लिया है। निर्धारित सीमा से अधिक उर्वरक लेने वाले किसानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करने तथा उनके स्टॉक का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

बैठक में खरीफ सीजन के लिए बीज उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने किसानों को धान, अरहर, कोदो, कुटकी, रागी, रामतिल एवं अन्य खरीफ फसलों के बीज उनकी आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज मिलना चाहिए ताकि बोवनी कार्य प्रभावित न हो। इसके लिए बीज निगम के माध्यम से अधिक से अधिक बीज उपलब्ध कराने तथा जिले में स्थित कृषि फार्मों में उत्पादित बीजों का भी किसानों के बीच वितरण सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अरहर, कोदो एवं कुटकी जैसी मोटे अनाज वाली फसलों के रकबे का सही-सही रिकॉर्ड रखा जाए तथा फसल गिरदावरी में भी इनका वास्तविक रकबा दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पोषक एवं जल संरक्षण वाली फसलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

बैठक में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप प्राकृतिक खेती का रकबा बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों, जैविक इनपुट्स तथा कम लागत वाली खेती के लाभों के संबंध में निरंतर मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा अनुदान पर ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई उपकरणों के वितरण की भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से मिलना चाहिए और पात्र किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

पराली प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नरवाई जलाने की घटनाओं को पूरी तरह रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया कि नरवाई जलाने वाले किसानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला जाए तथा किसानों को वैकल्पिक अवशेष प्रबंधन तकनीकों के प्रति जागरूक किया जाए।

कृषि उपज मंडियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने मंडी सचिवों को निर्देश दिए कि अपनी उपज विक्रय के लिए आने वाले किसानों को मंडी परिसर में अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि मंडी में प्रवेश से लेकर उपज विक्रय, तौल एवं भुगतान प्राप्त करने तक की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी होनी चाहिए। बैठक में वारासिवनी एवं लालबर्रा मंडी सचिवों के अनुपस्थित रहने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य विभागों की योजनाओं एवं उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए मत्स्य पालकों को समय पर मत्स्य बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ ही पशुपालन एवं उद्यानिकी विभागों को भी किसानों और पशुपालकों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों से कहा गया कि खरीफ सीजन किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और यह सुनिश्चित करें कि किसानों को उर्वरक, बीज, सिंचाई, बीमा एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों।

बैठक में उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय, जिला सहकारी केन्द्री य बैंक के सीईओ अभिनव सिंह बघेल, उप संचालक पशु चिकित्सा, सेवायें डॉ घनश्यारम परते, सहायक संचालक उद्यान क्षितिज करहाड़े, सहायक संचालक मत्योद्योग सुश्री पूजा रोडगे, सभी विकासखंड के कृषि विकास अधिकारी, पशु चिकित्सक अधिकारी, उद्यान विस्तार अधिकारी एवं सहायक मत्स्य अधिकारी उपस्थित थे।

मौसमी और कुम्हारी में लगभग 957 ट्रॉली रेत जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं खनिज भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 9 एवं 10 जून 2026 को राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा लालबर्रा एवं बालाघाट तहसील क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की गई।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि राजस्व अमले एवं खनिज विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से ग्राम मौसमी, तहसील लालबर्रा तथा ग्राम कुम्हारी, तहसील बालाघाट में निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर शासकीय भूमि

पर बड़ी मात्रा में खनिज रेत का अवैध भंडारण पाया गया। जांच के दौरान ग्राम मौसमी में स्थित खसरा क्रमांक 62 की शासकीय भूमि पर लगभग 22 ट्रॉली खनिज रेत का भंडारण पाया गया। वहीं ग्राम कुम्हारी, तहसील बालाघाट की शासकीय भूमि पर बड़ी मात्रा में 935 ट्राली रेत का अवैध भंडारण मिला। प्रारंभिक जांच में दोनों स्थानों पर कुल मिलाकर लगभग 957 ट्रॉली खनिज रेत लावारिस स्थिति में भंडारित पाई गई।

संयुक्त जांच दल द्वारा मौके पर उपस्थित व्यक्तियों से रेत भंडारण से संबंधित वैधानिक अनुमति, खनन अनुज्ञा, परिवहन दस्तावेज अथवा अन्य आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन किसी प्रकार की वैध अनुमति या दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके। इसके चलते उक्त रेत भंडारण को प्रथम दृष्टया अवैध मानते हुए जब्ती की कार्रवाई की गई और जब्त की गई रेत को सुरक्षा एवं संरक्षण की दृष्टि से संबंधित ग्रामों के कोटवारों की सुपुर्दगी एवं निगरानी में सौंप दिया गया है। कोटवारों को निर्देशित किया गया है कि जब्त सामग्री की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या अवैध निकासी न होने पाए।

उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जब्त रेत के संबंध में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं खनिज भंडारण की गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीमें लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रख रही हैं तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध खनन, रेत परिवहन अथवा भंडारण की गतिविधियां संचालित होती दिखाई दें तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग अथवा प्रशासन को दें, ताकि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं राजस्व हानि की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

ई-अटेंडेंस के आधार पर होगा शिक्षकों का वेतन भुगतान

अनुपस्थिति पर कटेगा वेतन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल प्राचार्यों को निर्देश जारी कर स्पष्ट किया है कि शिक्षकों का वेतन अब हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से दर्ज की गई ई-अटेंडेंस के आधार पर ही भुगतान किया जाएगा।

आयुक्त लोक शिक्षण श्री अभिषेक सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व में एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के लिए निर्देश जारी किए गए थे। अब सभी शासकीय विद्यालयों में प्राचार्य, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से ई-अटेंडेंस दर्ज करना अनिवार्य होगा।

निर्देशों के अनुसार विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी अपने अधीनस्थ सभी विद्यालयों में ई-अटेंडेंस की शत-प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। वहीं संकुल प्राचार्य ई-अटेंडेंस के आधार पर ही वेतन आहरण देयक तैयार कर आहरण अधिकारी अथवा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। बिना ई-अटेंडेंस के वेतन आहरण किए जाने की स्थिति में संबोंधित संकुल प्राचार्य व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिस शिक्षक द्वारा किसी दिन ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं की जाएगी, उसे उस दिन अनुपस्थित माना जाएगा तथा संबंधित दिन का वेतन आहरित नहीं किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी उपाध्याय ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल प्राचार्यों को निर्देशित किया है कि वे लोक शिक्षण संचालनालय के इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।विभाग ने सभी अधिकारियों को इस व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें । लोक शिक्षण संचालनालय की ई-अटेंडेंस व्यवस्था से विद्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति की निगरानी अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनेगी तथा शैक्षणिक गतिविधियों में जवाबदेही बढ़ेगी।

जमीन विवाद में 65 वर्षीय वृद्धा पर डंडे-रॉड से हमला

सिर फटने से जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 31 काशी नगर में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। 65 वर्षीय वृद्धा पर डंडे और लोहे की रॉड से हमला किया गया। जिससे वह घायल हो गई। घायल वृद्धा लोमन बाई पति स्व. गणपत बघेले वार्ड नंबर 31 काशी नगर बालाघाट निवासी को इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोमन बाई घरेलू काम करती हैं। उसके चार बच्चे हैं और वे अपने छोटे बेटे दिनेश बघेले के साथ रहती हैं। लोमन बाई का पराग लिल्हारे के साथ लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। 9 जून को 7:00 बजे इसी जमीन विवाद को लेकर लोमन बाई और पराग लिल्हारे के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पराग लिल्हारे ने डंडे और रॉड से लोमन बाई पर हमला कर दिया। रॉड का वार सिर में लगने से उनका सिर फट गया और वे लहूलुहान हो गई।शोर सुनकर बेटे राजेश बघेले और दिनेश बघेले मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर मां को छुड़ाया। इसके बाद घायल लोमन बाई को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।जहां उनका इलाज किया गया।घटना की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस ने घायल लोमन बाई का बयान दर्ज किया है। मामले को आगे की जांच और वैधानिक कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया गया है।

कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के कार्यों की समीक्षा की

खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच बढ़ाने और न्यायालयीन प्रकरणों की संख्या में वृद्धि के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय गतिविधियों का विस्तार से मूल्यांकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में खाद्य सुरक्षा के अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब तथा श्रीमती गीता टांडेकर उपस्थित रहीं।

बैठक के दौरान जिले में खाद्य सुरक्षा संबंधी कार्यवाहियों, खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, नमूना संग्रहण तथा न्यायालयीन प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे खाद्य सामग्री के विक्रय एवं भंडारण से जुड़े प्रतिष्ठानों का नियमित एवं व्यापक निरीक्षण करें तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए बाजार में उपलब्ध खाद्य सामग्री की नियमित जांच आवश्यक है। कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अधिक से अधिक न्यायालयीन प्रकरण दर्ज किए जाएं, ताकि खाद्य सुरक्षा कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

समीक्षा के दौरान न्यायालयीन प्रकरणों की संख्या अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर कलेक्टर ने संबोंधित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि निरीक्षण और कार्रवाई की प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरज कुमार विश्वकर्मा द्वारा खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रकरणों की पोर्टल पर समय पर प्रविष्टि नहीं करने, न्यायालयीन प्रकरण तैयार नहीं करने तथा समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने को गंभीरता से लिया गया। कलेक्टर ने उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार कर वरिष्ठ कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए। इसी प्रकार औषधि निरीक्षक स्वप्निल सिंह के बैठक में अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश प्रदान किए।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से कहा कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी सीधे आमजन के स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है। इसलिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ करें तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नियमित निरीक्षण एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, निरीक्षण अभियान तथा आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

ग्राम पंचायत किरनापुर में एसडीएम ने सुनी जनता की समस्याएं, शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। किरनापुर तहसील में प्रशासन द्वारा उपखंड स्तरीय जनसुनवाई शिविरों का नियमित आयोजन किया गया है, जहाँ एसडीएम के नेतृत्व में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। मुख्य विवरण: आयोजन: किरनापुर अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई शिविर आयोजित किए जाते हैं। जिसमें प्रमुख रूप से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर आदित्य नारायण तिवारी द्वारा ग्रामीणों की राजस्व संबंधी विभिन्न प्रकार की समस्याओं को सुना गया तथा मौका स्थल का अवलोकन करते हुए तत्काल निराकरण के निर्देश दिए गए। वही एसडीएम श्री तिवारी द्वारा सी एम हेल्प लाइन की शिकायतों का भी निराकरण किया गया।तहसीलदार और विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रक्रिया: शिविरों में ग्रामीणों से विभिन्न विभागों (जैसे राजस्व, पंचायत, और जन कल्याण योजनाओं) से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाते हैं। निराकरण: प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंपकर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए जाते हैं इस अवसर पर एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी के अलावा प्रभारी तहसीलदार सुश्री बबीता सूर्या, परियोजना अधिकारी श्रीमती अमृता कुजूर, एसडीओ पीडब्ल्यूडी श्री सुखराम नेवारे, किरनापुर सरपंच श्रीमती धर्मकला भाई जे पी रामटेके, ग्राम पंचायत सदस्य जय प्रकाश रामटेके जनपद पंचायत से बी डी सोनेकर पंचायत समिति सदस्यगण उपस्थित रहे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्व० जियालाल वल्द रामप्रसाद बघेल ग्राम बोरी थाना लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी था। जिसका प्लाट नंबर ५४, २, १४ (एस) जो भटेरा चौकी बालाघाट में स्थित है, उसका वारसान रामदुलारे व शंकरलाल बघेल है। अगर कोई अन्य वारसान है, तो वह दावा पेश करके उक्त खसरा नंबर ५४, २, १४ (एस) में अपना नाम दर्ज करवा सकता है। उसकी समय सीमा विज्ञापन प्रकाशन के बाद २१ दिन तक रहेगी।

प्रकाशक
रामदुलारे बघेल
मो०नं० ९९७७०५७९६५

आवश्यकता है

दुर्गा नारायणी एसोसिएशन शाखा
किरनापुर मे महिला/पुरूष अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है।
संपर्क-मीरादेवी कॉलेज के सामने किरनापुर
मो. - 9302072201

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।

-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली

उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

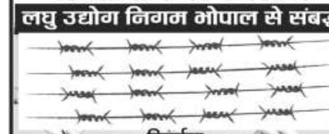

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

आवारा मवेशी से टकराई मोटरसाइकिल पति पत्नी गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम वारा के काली मंदिर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ सड़क पर अचानक आए एक आवारा मवेशी से टकराकर एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार पति.पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

दोनों घायलों को उपचार के लिए स्थानीय सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहाँ उनका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी नगर के वार्ड नंबर ३ सम्राट नगर निवासी दिलीप उइके अपनी ३२ वर्षीय पत्नी प्रियंका उइके के साथ किसी आवश्यक कार्य से मोटरसाइकिल पर सवार होकर गर्रा बालाघाट की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल ग्राम वारा के समीप स्थित काली मंदिर के पास पहुँची तभी अचानक सड़क पर एक आवारा मवेशी उनके सामने आ गया। मवेशी के अचानक सामने आ जाने के कारण चालक दिलीप उइके अपनी मोटरसाइकिल पर से नियंत्रण खो बैठे और तेज रफ्तार बाइक सीधे मवेशी से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर दूर तक घिसटती चली गई। इस हादसे में पति.पत्नी दोनों ही सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए। दुर्घटना की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े। स्थानीय लोगों ने बिना वक्त गंवाए दोनों घायलों को संभाला और घटना की सूचना तत्काल संजीवनी १०८ एम्बुलेंस सेवा को दी। सूचना मिलते ही १०८ एम्बुलेंस मौके पर पहुँची और दोनों घायलों को तुरंत वारासिवनी के सिविल अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। इस सड़क हादसे में दिलीप और उनकी पत्नी प्रियंका को हाथ पैर सिर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर बाहरी और अंदरूनी चोटें आई हैं। फिलहाल सिविल अस्पताल में दोनों का उपचार जारी है। इस हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में आवारा मवेशियों को लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर दिन.ब.दिन आवारा मवेशियों का जमावड़ा बढ़ता जा रहा है जो आए दिन भीषण सड़क हादसों का कारण बन रहे हैं। इस समस्या का कोई स्थाई हल नहीं निकाला जा सका है जिसका खामियाजा निर्दोष राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल मर्चुरी का फ्रीजर बंद, वार्ड बॉय का शव हुआ डिकम्पोज

परिजनों ने जताई नाराजगी, अस्पताल प्रबंधन पर लगाए गंभीर आरोप, अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों को बताया बेबुनियाद, जांच की कही बात

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बार मामला अस्पताल की मर्चुरी में रखे गए एक वार्ड बॉय के शव के खराब होने से जुड़ा है।परिजनों का आरोप है कि मर्चुरी में लगे फ्रीजर के बंद होने के कारण शव डिकम्पोज हो गया, जिससे उन्हें भारी मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा। घटना सामने आने के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी जाहिर करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।परिजनों की माने तो उन्हें उम्मीद थी कि शव सुरक्षित अवस्था में मिलेगा, लेकिन जब उन्होंने शव देखा तो उसमें सड़न के लक्षण दिखाई दिए।परिजनों का कहना है कि शव से दुर्गंध आने लगी थी और शरीर का कुछ हिस्सा डिकम्पोज होने लगा था। इस स्थिति को देखकर परिवार के सदस्य नाराज हो गए और उन्होंने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि यदि मर्चुरी का फ्रीजर सही तरीके से संचालित होता तो शव इस स्थिति में नहीं पहुंचता। मृतक के परिजनों ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने उन्हें पहले कभी नहीं बताया कि मर्चुरी के फ्रीजर में कोई तकनीकी खराबी है। यदि समय रहते जानकारी दी जाती तो वे शव को किसी अन्य स्थान पर सुरक्षित रखने की व्यवस्था कर सकते थे।

क्या है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नं 1 बूढ़ी, नेमा कालोनी निवासी 28 वर्षीय हेमंत यादव जिला अस्पताल में वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत था। जो 8 जून की दोपहर 2 बजे अपने घर से जिला अस्पताल आने के लिए निकला था।जो लौटकर घर वापस नही आया।और ना ही वह अस्पताल गया।जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट उनके परिजनों द्वारा थाना कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। 1 दिन बाद इस युवक का शव भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत

आने वाले ग्राम जरेरा स्थित एक खेत में संदिग्ध अवस्था में बरामद किया गया था। बताया गया कि मृतक केवल अंडरवियर में था, जबकि उसके कपड़े खेत में वहीं पड़े थे, तेज धूप के कारण शव काला पड़ चुका था, घटनास्थल पर उसकी मोटरसाइकिल पड़ी थी जहां टंकी के ऊपर चाबी रखी थी, तो वहीं घटना स्थल पर सल्फर का पाउच, खेत में उपयोग होने वाली कीटनाशक दवा की खाली बोतल और ब्लू एम्पियर व्हिस्की का खाली भाव घटना स्थल से बरामद किया गया है। बताया गया कि मृतक द्वारा पहने जाने वाली सोने की चेन और अंगूठी उसके शरीर से गायब थी जिसके चलते इस मामले की हत्या और आत्महत्या दोनो एंगल से पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।उधर मंगलवार शाम शव मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही की बाद शव को जिला अस्पताल लाया था। लेकिन शाम अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका,जिसके शव को मर्चुरी फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया था। जिसके पोस्टमार्टम के लिए बुधवार की शव को फ्रीजर से बाहर निकल गया तो शव डिकम्पोज नजर आया, परिजनों ने आशंका जताई कि या तो अस्पताल मर्चुरी का फ्रीजर जानबूझकर बंद रखा गया था, या फिर फ्रीजर खराब होने के चलते बंद पड़ा था जिसके चलते शव डिकम्पोज हो गया।

परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

मृतक के परिचितों और कर्मचारियों ने भी मामले को गंभीर बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि जिला अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्था में इस प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।परिजनों का आरोप है कि मर्चुरी में लंबे समय से व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहा है। उनका कहना है कि यदि उपकरणों का नियमित रखरखाव किया जाता तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।परिजनों की माने तो यह केवल एक परिवार की पीड़ा का विषय नहीं है बल्कि अस्पताल की व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला है।

फ्रीजर बंद था या जानबूझकर बंद किया गया इसकी जांच होनी चाहिए- योगेश

परिवार से जुड़े सदस्य योगेश खैरवार ने बताया कि हेमंत, 8 जून से घर से ड्यूटी जाने कहकर दोपहर 1.30 बजे निकला था। जो दोबारा लौटकर नही आया जिसका जरेरा में सॉदिग्ध अवस्था मे शव मिला है।मृतक की मौत आत्महत्या या हत्या, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन आज पीएम के दौरान, हेमंत के शव को फिजर में रखने के बाद भी बॉडी के डिकंपोज्ड जैसी स्थिति में मिला है।उन्होंने आरोप लगाया कि फ्रीजर बंद है या जानबूझकर, उसे बंद करके बॉडी को डिकंपोज्ड बनाने का प्रयास किया गया, इसकी जांच होनी चाहिए।

आरोप बेबुनियाद है, फिर भी, मामले की जांच के लिए कहा गया है-जैन

सिविल सर्जन निलय जैन ने,परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है।उन्होंने बताया कि मृतक युवक हमारे अस्पताल में ही वार्ड बॉय के पद पर था,उसके साथ हमारी पूरी सहानुभूति है,लेकिन परिजनों ने जो आरोप लगाए हैं वह गलत है ग्राम जरेरा में जो शव मिला है जिसके शरीर पर कपड़े नहीं थे,शव पूरा दिन धूप में पड़ा रहा, हो सकता है कि धूप से जलने की वजह से ऐसा हुआ हो, क्योंकि जलने के केस में अक्सर तत्काल परिणाम नहीं दिखते, बल्कि 10-12 घंटे के बाद उसका असर दिखना शुरू होता है। अभी डेढ़ माह पूर्व ही फ्रीजर का मेंटेनेंस हुआ है कभी-कभी फ्रीजर चलते-चलते बंद भी हो सकता है इसके लिए हमने भोपाल सूचना कर मैकेनिक एजेंसी को खबर कर दी है।उन्होंने बताया की प्रथम दृष्टया यह कहना उचित नहीं होगा कि शव फ्रीजर बंद होने के कारण खराब हुआ है। पूरे मामले की तकनीकी जांच कराई जाएगी। मर्चुरी में लगे फ्रीजर की स्थिति की जांच के लिए तकनीकी विशेषज्ञ और मैकेनिक को बुलाया जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

जानबूझकर मनोज पमनानी को नही दी जा रही जमानत ?

आम आदमी पार्टी ने प्रशासन पर लगाए आरोप, आंदोलन की भी दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्ट्रेट गेट पर धरना प्रदर्शन आंदोलन करने, और कथित तौर पर कार्यालय गेट पर ताला जड़ने वाले आम आदमी पार्टी के प्रदेश सँयुक्त सचिव मनोज पमनानी पिछले 2 दिनों से जिला जेल में बंद है। जहां सॉल्वेंसी प्रमाण पत्र जमा ना होने पर दूसरे दिन भी पमनानी को जमानत नहीं मिल पाई अब इस मामले में आम आदमी पार्टी भी खुलकर पमनानी के समर्थन में आ गई है और उन्होंने इस पूरे मामले पर प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए, जानबूझकर मनोज पमनानी को परेशान करने और जमानत नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है, तो वहीं उन्होंने इस मामले में गुरुवार को सॉल्वेंसी पेश करने के बाद भी किसी अन्य प्रकार का बहाना बनाने और जमानत देने से इनकार करने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है। जिसकी तमाम जानकारी बुधवार की देर शाम नगर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी पदाधिकारियों द्वारा दी गई है। इस दौरान आम आदमी पार्टी जिला इकाई के साथ-साथ जिला सिवनी की इकाई के भी पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जिन धाराओं के तहत मामला दर्ज है, उसमें सॉल्वेंसी की जरूरत ही नहीं पड़ती

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने बताया कि नगर के आकाशवाणी दुग्ध डेयरी समीप करीब 20 वर्षो से बसे झुग्गीवासियों को राजस्व विभाग द्वारा हटाने बुलडोजर कार्यवाही की जानी थी। जिसके चलते बारिश में उनका मकान न तोड़े जाने व 6-7 माह की मोहलत दिए जाने की मांग

को लेकर आप पार्टी के पदाधिकारी मनोज पमनानी द्वारा झुग्गीवासियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध जताया गया वही प्रशासन द्वारा सुनवाई न करने पर कलेक्ट्रेट गेट की तालाबंदी की गई। इस मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा उनकी गिरफ्तारी की गई है। लेकिन मनोज पमनानी को एसडीएम न्यायालय द्वारा जमानत नहीं दी जा रही है वही तहसील कोर्ट में जमानत के लिए सॉल्वेंसी की मांग की गई है। आप पार्टी के पदाधिकारियों व लीगल एडवाईजर ने कहा कि जिन धाराओं के तहत मनोज पमनानी पर कार्यवाही की गई है उसमें सॉल्वेंसी की आवश्यकता नहीं पड़ती है।लेकिन जानबूझकर उन्हें जेल में बंद रखने की मंशा से जमानत नहीं दी जा रही है। जिसकी पार्टी कड़ी निंदा करती है।

सत्ता के दबाव में काम कर रहा प्रशासन

आप पदाधिकारियो ने बताया कि प्रशासन द्वारा बारिश के समय किसी गरीब का घर तोड़ा जा रहा है। जिसके विरोध में आप पार्टी के पदाधिकारी मनोज पमनानी झुग्गीवासियों के समर्थन में गरीब झुग्गीवासियों को मकान खाली करने 6-7 माह की मोहलत की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और सांकेतिक रूप से विरोध करते हुए कलेक्ट्रेट गेट का ताला बंदी की गई। लेकिन एसडीएम द्वारा आप पार्टी नेता के साथ अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया गया। आप पार्टी के पदाधिकारी मनोज पमनानी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। प्रशासन सत्ता पक्ष के दबाव में कार्य कर रहा है।पुलिस द्वारा मनोज पमनानी को सुबह 10 बजे थाना लाया गया और पार्टी के साथियों को आश्वासन दिया गया कि उन्हें शाम 7 बजे तक छोड़ दिया जाएगा। जब 7 बजे तक हम इंतजार करते रहे उसके बाद बोला गया कि एसडीएम साहब ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने कहा गया है। जब हमारे साथीयों ने पुछा की किस तरह की धारा लगी है एफआईआर क्या है लेकिन पुलिस द्वारा इस बारे में कुछ नहीं बताया गया। बाद में हमें पता चला कि 170, 126(बी) और 135(3) बीएनएस के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

तो कोर्ट में लगाएंगे याचिका, होंगा आंदोलन

आप जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल,पदाधिकारी दुर्गेश बिसेन और लीगल एडवाइजर निर्दोष बिसेन ने बताया कि 8 तारीख की यह घटना थी, जबकि पमनानी को 9 जून की शाम तहसील न्यायालय में पेश किया गया। जबकि नियम है कि पुलिस को 24 घंटे के अंदर उन्हें न्यायालय में पेश किया जाना था। लेकिन पुलिस जिला प्रशासन से मिली हुई है। जब हमारे अधिवक्ता द्वारा जमानत के लिए आवेदन लगाया गया तो जमानत के लिए सॉल्वेंसी मांगी गई और उनकी जमानत खारिज कर दी गई। जबकि इस धारा में सॉल्वेंसी की जरूरत नहीं पड़ती है। हमारे द्वारा जमानत के लिए जमीन की पट्टी पावती पेश की गई। उसमें भी जमानत नही मिली।उन्होंने आगे बताया कि अब हमारे द्वारा सॉल्वेंसी की व्यवस्था की जा रही है। जमानत के लिए गुरुवार को सॉल्वेंसी पेश की जाएगी, उसके बाद भी यदि जमानत नहीं मिलती तो हमारे द्वारा न्यायालय की शरण ली जाएगी, वही इसके खिलाफ पार्टी द्वारा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान रजनीश नायडू आप पार्टी स्टेट कोऑर्डिनेटर, अधि. दुर्गेश विश्वकर्मा प्रदेश संयुक्त सचिव, प्रफुल्ल बिठले जिला प्रवक्ता सिवनी, शशिकांत राय जिला यूथ विंग अध्यक्ष सिवनी, गिरीश श्रीवास्तव जिला सहसचिव सिवनी, शिव जायसवाल जिलाध्यक्ष बालाघाट, मस्तराम डाहारे जिलाध्यक्ष ग्रामीण बालाघाट, अनिल ब्रम्हे जिला सचिव, निर्दोष बिसेन जिलाध्यक्ष लीगल विंग सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वोट चोरी करने वाली भाजपा ने राज्यसभा की सीट चोरी कर ली

कांग्रेस ने काली पुतली चौक दिया धरना,भाजपा पर लगाया सीट चोरी का आरोप

राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द होने पर किया प्रदर्शन

कहा जब विधायक प्रलोभन पर नही आए,तो दबाव में कांग्रेस प्रत्याशी का कराया नामांकन निरस्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्यसभा सांसद के लिए कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन फार्म रद्द होने पर अपना आक्रोश जताते हुए जिला कांग्रेस कमेटी ने नगर के काली पुतली चौक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।बुधवार को आयोजित इस धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार पर राज्यसभा की सीट चोरी किए जाने का आरोप लगाया है।जहा तकरीबन 50 कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा सांसद पद का नामांकन दबाव में रद्द कराने की बात कहते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या बताया है तो वही उन्होंने निष्पक्ष चुनाव में, फार्म के रिजेक्शन की निंदा करते हुए, आगामी समय में होने वाले चुनाव में भाजपा को उखाड़ फेंकने की बात कही है।इसके अलावा उन्होंने जनता से भी महंगाई बेरोजगारी सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार के विरोध में सड़कों पर उतरकर आंदोलन किए जाने का आग्रह किया है। इस दौरान, सुशील पालीवाल, जुगल शर्मा, कैलाश साहू,, जीतू राजपूत, जीतू बर्वे, भूरू पटेल, अनिल सोनी, अनिल बनोट, करण लिल्हारे, नरेंद्र मेश्राम, शिवम विश्वकर्मा, शिवम शर्मा, श्रीनिवास राव, अल्ला रखा, जयकृष्ण डिंगरू, शाहबाज़ अहमद, प्रवीण मदनकर, प्रतीक जैन, रामभाऊ पंचेश्वर, नितिन शिवहरे, धर्मेंद्र बोपचे, अफरोज कुरैशी, विवेक नागरे, नीटू कौशल, मधु गजभिए, पूजा गोस्वामी, विक्की पिछड़े, ऋषभ सहारे, सोमेंद्र ब्रांसोड, तेजलाल सुलझे ,राम सिंग भाटिया और प्रतीक जैन सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चुनाव ना लड़कर, षडयंत्र के तहत की गई सीट चोरी- सरस्वार

काली पुतली चौक में आयोजित धरना प्रदर्शन को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने बताया कि भाजपा ने मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कराया है, जिसकी कांग्रेस निंदा करती है। गांधीवादी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन फार्म रद्द होने पर भाजपा ने कांग्रेस को कोई सुनवाई का अवसर नहीं दिया।जिससे साफ है कि बहुमत नहीं होने के बावजूद, तीसरे प्रत्याशी को उतरकर, भाजपा ने कांग्रेस प्रत्याशी को किसी भी परिस्थति में चुनाव नहीं लड़ने देने का मन बना लिया था और भाजपा की यह षडयंत्र कामयाब हो गया।

लोकतंत्र की हत्या कर रही भाजपा सरकार- पंजवानी

वहीं धरना प्रदर्शन को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी नगर अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने बताया कि वोट चोरी करने वाली भाजपा ने राज्यसभा सीट की चोरी कर ली है। भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। मामुली नोटिस पर आपत्ति लेकर, मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किया गया है। भाजपा, संविधान का गला घोंट रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा की यह सब हरकत, आम जनता देख रही है, नीट परीक्षा, महंगाई, बेरोजगारी, महिला हिंसा सहित अन्य समस्याओं से जूझ रही जनता ही भाजपा का घमंड तोड़ने का काम करेगी।उन्होंने बताया कि इतिहास गवाह है कि अहंकार कभी स्थायी नहीं रहा। रावण का घमंड भी चकनाचूर हुआ था और सत्ता के मद में चूर यह सरकार भी जनता की अदालत में जवाबदेह होगी।अब यह सरकार ज्यादा दिनों तक टिकने वाली नहीं है, प्रदेश व देश की जनता सरकार को आगामी चुनाव में मुंह तोड़ जवाब देगी।

पारिवारिक विवाद और शंका से परेशान महिला ने किया फिनायल का सेवन, जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पारिवारिक विवाद और शंक करने से परेशान एक महिला ने आवेश में आकर घर में रखी फिनायल का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर महिला को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। यह महिला ममता सोनीपत नारायण सोनी 36 वर्ष वार्ड नंबर 1 ढीमर टोला बालाघाट निवासी है।जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता घर-घर जाकर खाना बनाने का कार्य करती है। इसके अलावा वह एक निजी अस्पताल में झाडू पोछा का काम भी करती है। बताया गया कि ममता प्रतिदिन सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक अलग-अलग घरों में खाना बनाने का काम करती है तथा दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक निजी अस्पताल में काम करती है।जानकारी के मुताबिक ममता की पहली शादी नाबालिग अवस्था में हुई थी।जिससे उसकी एक 17 वर्षीय बेटी है। पहले पति से अलग होने के बाद वर्ष 2014 में उसने नारायण सोनी से दूसरी शादी की थी। जिससे उसका एक 12 वर्षीय पुत्र है।बताया गया है कि ममता के काम के सिलसिले में बाहर जाने को लेकर उसका पति अक्सर उस पर शक करता था और आए दिन विवाद करता रहता था। परिवार में विवाद का माहौल बना रहता था। वह बच्चों को भी उसके खिलाफ भड़काया जाता था। जिसके चलते वे भी उस पर संदेह करते थे।बताया गया कि 9 जून की रात करीब 10 बजे ममता घर पहुंची। जिस पर देर से आने को लेकर उसकी बेटी ने विवाद किया। जिससे आहत होकर ममता ने आवेश में आकर बाथरूम में रखी फिनायल पी ली। इसके बाद उसने स्वयं अपने पति को इसकी जानकारी दी।घटना के बाद पति ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी।लेकिन एंबुलेंस देर से पहुंचने के कारण रात करीब 2 बजे ममता को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया।जिला अस्पताल पुलिस ने ममता सोनी का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही के लिए कोतवाली थाना भेजवा दी है।

पुरानी रंजिश के चलते खेत से लौट रहे कृषक पर हमला- तीन के खिलाफ केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम फुटारा में पुरानी रंजिश को लेकर तीन लोगों ने एक 55 वर्षीय किसान के साथ मारपीट कर दी। हमले में घायल किसान का इलाज खैरलांजी अस्पताल में कराया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 55 वर्षीय भरतलाल राहंगडाले खेती-किसानी का काम करते हैं। गांव के ही महेश राहंगडाले, सुनील राहंगडाले और शशि ठाकुर से उनकी पुरानी रंजिश चल रही थी। 8 जून की शाम करीब 6 बजे भरतलाल अपने खेत से घर लौट रहे थे। रास्ते में रिसेन्द्र ठाकुर के खेत के पास तीनों आरोपी मिले और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे। भरतलाल के मना करने पर महेश राहंगडाले ने उन्हें थप्पड़ मारा और कुल्हाड़ी की मूठ से हमला कर दिया। इसी दौरान सुनील और शशि ठाकुर ने भी हाथ मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी।भरतलाल के शोर मचाने पर बगल के खेत में काम कर रहे रोशन ठाकुर मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद भरतलाल की पत्नी यशोदा बाई और परिवार के अन्य सदस्य भी आ गए। लोगों को आता देख तीनों आरोपी जान से खत्म करने की धमकी देकर फरार हो गए।घटना के बाद घायल भरतलाल पत्नी के साथ खैरलांजी थाना पहुंचे। पुलिस ने उनका अस्पताल में इलाज करवाया और महेश राहंगडाले, सुनील राहंगडाले व शशि ठाकुर के खिलाफ गाली-गलौज कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। खैरलांजी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आस-पास की खबरें

बुट्टा ह. में नवनिर्मित बुध्द विहार का लोकार्पण एवं बाबा साहब की प्रतिमा का हुआ अनावरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 13 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत बुट्टा हजारी के सम्राट अशोक बुध्द विहार परिसर में बुधवार को एक भव्य गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित बुध्द विहार का लोकार्पण, तथागत सम्यक सम्बुध्द और भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण विधि-विधान से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत बुधवार प्रात: 10 बजे एक विशाल धम्म रैली के साथ हुई। यह रैली जय भीम और बुध्दम शरणम गं छामि के जयघोष के साथ ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी। यह रैली पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल (बुध्द विहार) पर पहुंचकर संपन्न हुई। जिसके बाद मंचीय कार्यक्रम सामाजिक चिंतक किशोर बारमाटे एवं अजय रावतकर के मुख्य आतिथ्य, जिला सिवनी से पधारे पूज्य बुध्दपाल भंते, पंकज डोंगरे, सचिन मेश्राम, अधिवक्ता डॉ. संजय खोब्रागड़े, शैलेष सुखदेवे और शोभना मेश्राम के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। वहीं उपस्थिति अतिथियों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर नवनिर्मित बुध्द विहार का लोकार्पण एवं डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के जीवन संघर्ष और देशहित में किये गये उनके ऐतिहासिक कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। वहीं अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब के विचार और उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग आज भी प्रासंगिक है। समाज के उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर आयोजक समिति अध्यक्ष, उपसरपंच अमित डोंगरे, उपाध्यक्ष आनंदराव डोंगरे, सचिव राहुल चौहान, कोषाध्यक्ष धनराज डोंगरे, महिला संगठन अध्यक्ष पल्लवी घर्डे, उपाध्यक्ष आशा चौहान, सचिव काजल चौहान, कोषाध्यक्ष पुस्तकला गजभिये सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सत्तारूढ़ भाजपा को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का किया गया नामांकन रद्द - कांग्रेस

कांग्रेसियों ने उपवास कार्यक्रम आयोजित कर राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, चुनाव प्रक्रिया को शून्य घोषित कर नये सिरे से चुनाव करवाने की मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

राज्यसभा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र कथित तौर पर अलोकतांत्रिक तरीके से रद्द किये जाने के विरोध में कांग्रेस कमेटी के प्रांतीय आव्हान पर लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा 10 जून को स्थानीय बस स्टैण्ड स्थित सभामंच में दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही सामूहिक रूप से आक्रोश व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि रिटर्निंग ऑफिसर और निर्वाचन आयोग ने मिलीभगत कर दुर्भावनापूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से यह कार्यवाही की है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य सीधे तौर पर सत्तारूढ़ भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है। लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी इस पूरी प्रक्रिया का कड़ा विरोध एवंनिंदा करती है और सरकार एवं निर्वाचन आयोग से मांग है कि इस चुनाव प्रक्रिया को निरस्त कर नये सिरे से दोबारा चुनाव करवाये। इस दौरान कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार एवं निर्वाचन आयोग के खिलाफ में नारे-बाजी कर शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन किये और कहा कि भाजपा सरकार वोट चोरी कर रही है जो गलत है। साथ ही बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों को लेकर भी कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि भाजपा सरकार में हर वर्ग

परेशान है। साथ ही कांग्रेस पार्टी की राज्यसभा सांसद के लिए कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का जो नामांकन रद्द किया गया है उसे निरस्त कर पुरी प्रक्रिया को शून्य घोषित कर नये सिरे से चुनाव करवाने की मांग की है और उक्त मांगें पूरी नही होने पर कठोर विरोध प्रदर्शन किये जाने की चेतावनी भी दी गई है।

प्रक्रिया शून्य कर दोबारा चुनाव करवाने की मांग

कांग्रेसियों ने महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर प्रशासकीय व संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस राज्यसभा निर्वाचन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से निरस्त व शून्य घोषित करने की मांग की है। साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु पुन: पारदर्शी तरीके से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ करवाकर निष्पक्ष चुनाव संपन्न करवाने की मांग की है। वहीं सौंपे गये ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यसभा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सुश्री मीनाक्षी नटराजन (कांग्रेस प्रत्याशी) का नामांकन पूरी तरह से अलोकतांत्रिक, अनैतिक और रिगिंग (धांधली) पध्दति से किया गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस कृत्य से न केवल पार्टी की छवि प्रभावित हुई है, बल्कि इससे विपक्षी दल (भाजपा) को लाभ पहुंचाने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। लालबर्रा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी इस पूरी दोषपूर्ण प्रक्रिया का कड़ा विरोध और निंदा करती है। वहीं कांग्रेसियों ने महामहिम राज्यपाल से मांग की है कि प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग कर राज्यसभा का निर्वाचन निरस्त कर पुन: नामांकन प्रक्रिया अपनाकर चुनाव निष्पक्ष रूप से करवाये एवं मांगे पूरी नही होने पर कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने बाध्य होगी। कांग्रेस कमेटी पूर्व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे ने बताया कि मध्यप्रदेश की राज्यसभा सदस्य पद की उम्मीद्वार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन फॉर्म बिना किसी वैध कारण के निर्वाचन आयोग के द्वारा रद्द कर दिया गया है। जिसके विरोध में संपूर्ण प्रदेश में कांग्रेसियों के द्वारा शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के द्वारा यह जो कृत्य किया गया है वह असंवैधानिक है, इससे उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन हुआ है। चुनाव आयोग के द्वारा उन्हें चुनाव से वंचित कर दिया गया है, भाजपा और चुनाव आयोग के द्वारा जो नियमों को संवैधानिक अधिकारों को ताक पर रखकर षड्यंत्र रचा जा रहा है वह गलत है। श्री ढांडे ने बताया कि जिस तरह से राज्यसभा सदस्य प्रत्याशी का नामांकन रद्द किया गया है उसे निरस्त किये जाये नही तो कांग्रेस पार्टी इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगी और हमें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट हमारी बातों को सुनेगा और हमें न्याय देगा। पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के षडयंत्रपूर्वक हमारी कांग्रेस पार्टी की रा'यसभा सांसद सदस्य पद की उम्मीद्वार मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन फार्म रद्द किया गया है जिसकी हम सभी कांग्रेसी घोर निंदा करते हैं और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, भारत सरकार से मांग है कि इस संपूर्ण मामले को संज्ञान लेकर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें। यदि हमारी मांगे पूरे नहीं होती है तो कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगा। श्री कुशवाहा ने बताया कि नामांकन रद्द होने के विरोध में कांग्रेसियों के द्वारा एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया और महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर राज्यसभा सांसद के लिए कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का जो नामांकन रद्द किया गया है उसे निरस्त कर पुरी प्रक्रिया को शून्य घोषित कर नये सिरे से चुनाव करवाने की मांग की है।

ये रहे उपस्थित

कांग्रेस पार्टी के एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी सचिव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, जिला महासचिव अनिल शर्मा, पूर्व ब्लाक उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा, नगराध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी, ओपी बिसेन, दीपक तोमर, अंकित पिपलोद, कैलाश नखाते, शैलेष केकती, रामनाथ सोनी, रोहित साखला, धन्नालाल गौतम, भोजलाल पटले सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरूपयोग कर रही है - मनोहर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री मनोहर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किये जाने के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। इस पूरे मामले को लेकर भाजपा द्वारा लगाये गये आरोपों और नामांकन खारिज करने की कार्यवाही पर कांग्रेस नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ न तो कोई एफआईआर दर्ज है और न ही कोई आपराधिक मामला सिध्द हुआ है। इसके बावजूद एक पुराने और अप्रासंगिक शिकायत प्रकरण को आधार बनाकर उनका नामांकन निरस्त करना

लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। आगे कहा कि जिस मामले का हवाला दिया जा रहा है, उसमें मीनाक्षी नटराजन किसी भी प्रकार से आरोपी नहीं हैं। उनका नाम केवल एक शिकायत में बतौर तत्कालीन प्रभारी के रूप में आया था। ऐसे में नामांकन निरस्त करना पूरी तरह राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होता है। श्री अग्रवाल ने आरोप लगाया है कि भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। जब भाजपा के पास पर्याप्त विधायक नहीं थे, तब भी प्रत्याशी खड़ा कर कांग्रेस उम्मीद्वार का नामांकन रद्द करवाने का प्रयास यह साबित करता है कि सत्ता पक्ष किसी भी कीमत पर चुनावी मुकाबले से बचना चाहता है। श्री अग्रवाल ने कहा की झारखंड से एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीद्वार परिमल नाथवानी के फॉर्म में सुधार के लिए पर्याप्त समय दिया गया और अभी उसकी निर्वाचन आयोग सुनवाई कर रहा है और मध्यप्रदेश में कथित गलती के नाम पर फॉर्म रिजेक्ट कर दिया गया यह कैसा लोकतंत्र है? कैसा निर्वाचन आयोग है?। श्री अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस फैसले का लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से विरोध करेगी। साथ ही यह केवल मीनाक्षी नटराजन का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की रक्षा का प्रश्न है। कांग्रेस कार्यकर्ता इस अन्याय के खिलाफ प्रदेशभर में आवाज बुलंद करेंगे। श्री अग्रवाल ने कहा कि सत्य और लोकतंत्र की जीत सुनिश्चित होगी तथा जनता इस प्रकार की तानाशाही और राजनीतिक षड्यंत्र का जवाब समय आने पर अवश्य देगी।

पांढरवानी पंचायत में जनकल्याण शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने एवं आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण के लिए शासन के निर्देश पर गत दिवस से जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले पंचायतों में क्लस्टरवार जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को ग्राम पंचायत पांढरवानी के पंचायत भवन में 9 पंचायतों का संयुक्त जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर पांढरवानी सरपंच अनीस खान, जनपद पंचायत लालबर्रा के खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित शिविर में ग्रामीणजनों के द्वारा उन्हे जिन योजनाओं का लाभ लेना है, किसी कारणवश नही मिल रहा है उससे विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को अवगत करवाया गया। साथ ही लाभ लेने आवेदन भी किया गया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई और किस तरह से योजना का लाभ ले सकते हैं। उनकी समस्याओं का समाधान कैसे होगा उसके बारे में बताया है। साथ ही सभी हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजना का लाभ लेने प्रेरित किया गया। चर्चा में खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत 8 से 9 ग्राम पंचायतों का एक कलस्टर बनाया गया है और 9 जून से कलस्टर वार जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 10 जून को पांढरवानी पंचायत भवन में भांडामुर्री, कंजई, नेवरगांव ला, रमपुरी, खुरपुड़ी, पाथरशाही, सिहोरा, औल्याकन्हार, पांढरवानी पंचायत का संयुक्त रूप से एक दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित होकर ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर किस तरह से योजना का लाभ लेना है। उसके बारे में उन्हे बताया गया है ताकि सभी पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके। इस अवसर पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के साथ मानसून की पहली दस्तक

दोपहर अचानक बदले मौसम के मिजाज से झमाझम बारिश, तापमान में भारी गिरावट, पेड़ हुए धराशायी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लंबे समय से भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप का सामना कर रहे लोगों के लिए आखिरकार राहत की खबर आई है। मानसून ने क्षेत्र में अपनी पहली जोरदार दस्तक दे दी है। बुधवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में काले बादलों के डेरा डालने के साथ ही तेज आंधी-तूफान के साथ ही झमाझम बारिश शुरू हो गई। लगभग एक घंटे तक हुई इस मूसलाधार बारिश ने पूरे नगर और ग्रामीण इलाकों को तरबतर कर दिया, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वही इस तेज आंधी-तूफान के चलते बकोड़ा सांई मंदिर के समीप, मिरेगांव एवं अन्य स्थानों पर विशालकाय पेड़ टूटकर धराशायी हुए है। साथ ही बिजली पोल व तार भी क्षतिग्रस्त हुए है जिससे विद्युत प्रवाह सेवा भी बंद हो जाने से आमजन मानस को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा किन्तु पेड़ गिरने से किसी प्रकार की जनहानि होने की जानकारी सामने नही आई है। वहीं बकोड़ा सांई मंदिर के समीप रोड़ किनारे विशालकाय पेड़ गिरने के बाद उसे ग्रामीणों की मदद से सड़क के बीच से अलग कर दिया गया। जिसके बाद आवागमन सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया। साथ ही विद्युत प्रवाह सेवा बंद हो जाने के बाद विद्युत कर्मचारी उसे दुरूस्त करना शुरू

कर दिये। इस तरह से बुधवार को तेज आंधी-तूफान एवं झमाझम बारिश के साथ मानसून की पहली दस्तक हो चुकी है। जिससे क्षेत्र का मौसम सुहाना हो चुका है और बारिश होने से अब कृषि कार्यों में किसान भी तेज गति से जुट जायेगें जिससे कृषि कार्यों में भी रफ्तार आयेगी।

उमस से राहत, मौसम हुआ सुहाना

पिछले कई दिनों से पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चल रहा था और हवा की रफ्तार थमने से लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल थे। बुधवार को दोपहर की इस बारिश ने हवा में ठंडक घोल दी है। हालांकि बारिश थमने के बाद थोड़ी देर के लिए उमस का ग्राफ जरूर बढ़ा, लेकिन ठंडी हवाओं के चलने से मौसम खुशनुमा हो गया। वहीं इस पहली बारिश का सबसे ज्यादा फायदा कृषि क्षेत्र को होने जा रहा है। बारिश होते ही अन्नदाताओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। लंबे समय से किसान आसमान की ओर टकटकी लगाये बैठे थे कि बारिश कब होगी और खरीफ फसल के लिए खेत तैयार करेगें एवं बीज बुआई कर सके। बुधवार को करीब एक घंटे तक हुई बारिश के बाद अब किसान कृषि कार्य में जुट जायेगें। मिट्टी के नरम होने से अब किसान ट्रैक्टर और हल लेकर खेतों की जुताई के काम में तेजी से जुट सकेंगे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने भरी हुंकार रैली निकालकर एसडीएम को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

बुजुर्गों का फूटा दर्द समय पर लाभ ना मिलना हक पर डाका डालने जैसा अभावग्रस्त जीवन जीने को मजबूर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा वारासिवनी के तत्वावधान में बुधवार को पेंशनरों ने अपनी विभिन्न न्यायोचित और लंबित मांगों को लेकर प्रांतीय एवं स्थानीय पदाधिकारियों की अगुवाई में एक विशाल रैली निकाली। नारेबाजी करते हुए सभी पेंशनर्स एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल को एवं विधायक जनसंपर्क कार्यालय में विधायक विवेक पटेल को मुख्यमंत्री म.प्र. शासन भोपाल के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पेंशनर्स के हाथों में अपनी मांगों से संबंधित विभिन्न स्लोगन लिखी हुई तख्तियां और संगठन के झंडे थे। अपनी जायज मांगों को लेकर वरिष्ठ नागरिकों का आक्रोश साफ देखा जा सकता था।

ज्ञापन में प्रमुखता से उठाई गई ये ६ मुख्य मांगें

सौंपे गए ज्ञापन में एसोसिएशन ने अत्यंत दुख और असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के लगभग ५ लाख पेंशनर्स की ज्वलंत और लंबित समस्याओं का शासन के द्वारा समय पर निराकरण नहीं किया जा रहा है। इसके कारण पेंशनर्स और उनके परिवारों में घोर निराशा व्याप्त है। केंद्र सरकार की देय तिथि से महंगाई राहत ना मिलने और उचित स्वास्थ्य लाभ कैशलेस बीमा से वंचित रहने के कारण आज बुजुर्ग पेंशनर्स का मनोबल पूरी तरह टूट चुका है और वे इस उम्र में भी अभावग्रस्त जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। पेंशनर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे पत्र में म.प्र. राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा ४९/६ जो छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के बीच पेंशन देनदारियों से जुड़ी इस धारा को अविलंब समाप्त किया जाये, वर्तमान में सरकार के द्वारा पेंशनर्स से ४ प्रतिशत प्रीमियम लेने का प्रावधान किया जा रहा है,जिसका विरोध करते हुए मांग की गई है कि कर्मचारियों की तरह पेंशनर्स से कोई प्रीमियम ना लिया जाए और उन्हें पूरी तरह कैशलेस इलाज की सुविधा मिले, पेंशनरों को देय आर्थिक लाभ ४,६,८ माह या एक वर्ष के विलंब से दिए जाते हैं जिससे उनका हक प्रभावित होता है। एरियर्स का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप मध्य प्रदेश के पेंशनर्स को भी केंद्र की तिथि से ही लाभ दिया जाए। साथ ही कोरोना काल के दौरान रोके गए छठवें वेतनमान के ३२ माह के एरियर और सातवें वेतनमान के २७ माह के एरियर का भुगतान तुरंत ६ प्रतिशत ब्याज दर के साथ किया जाए। पूर्व में दिए गए अदालती निर्णयों को मान्य करते हुए ८० वर्ष की आयु के स्थान पर ७९ वर्ष की आयु पूर्ण करते ही पेंशनर्स को २० प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ दिया जाए। नियमित सेवाकाल के कर्मचारियों की तर्ज पर ही पेंशनर्स को भी उपादान राशि का सम्मानजनक भुगतान किया जाए। इस अवसर पर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष श्रीपत वाघाडे ,उपाध्यक्ष प्रेमलाल लिल्हारे, सचिव एस के दहिकर, कोषाध्यक्ष डी के घोले सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे।

लंबित और न्यायोचित मांगे को लेकर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन-एस के दहीकर

सचिव एस के दहीकर ने बताया कि हम सभी पेंशनर्स साथी हमारी लंबित और न्यायोचित मांगे हैं । जिसको लेकर हम प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के प्रादेशिक अव्हान पर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन देने के लिए आए हुए हैं। हम चाहते हैं कि मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा ४९ को समाप्त किया जाए ,बीमा व्यवस्था दिया जाए रुके हुए हमारे एरियस की राशि दी जाए। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के आदेश का पालन किया जाए और न्यायालय के निर्णय को मान्य किया जाए ताकि हम पेंशनर आगे का जीवन बेहतर तरीके से व्यापन कर सके।

हम सभी पेंशनधारियों की समस्या का समाधान किया जायें- श्रीपत वाघाडे

अध्यक्ष श्रीपत वाघाडे ने बताया कि हमारी सबसे बड़ी समस्या हमारी लंबित मांगे हैं जिस पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ को अलग हुए २६ वर्ष बीत चुके हैं पर धारा ४९ को आज तक हटाया नहीं गया है उसे निरस्त करें। छठवें वेतनमान का ३२ माह और सातवें वेतनमान का २७ माह का हमारा एरियस रुका हुआ है वह दिया जाए। जबकि न्यायालय के द्वारा इसमें दो से तीन बार आदेश दिए जा चुके हैं पर आज तक अमल नहीं हुआ है। वहीं उपादान राशि जो एक लाख से ५० हजार दी जाती है तो हमें भी २० हजार रूपये तो भी दिया जाए। टुकड़े टुकड़े में जो एरियस हमारा रुकता है वह भी क्लियर किया जाए इस प्रकार की समस्या से हम मानसिक परेशान है।

शासकीय सिविल अस्पताल में रक्तदान शिविर और एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम संपन्न, 17 यूनिट रक्त संग्रहित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से १० जून को शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

अस्पताल परिसर में आयोजित इस शिविर में स्थानीय नागरिकों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया जिसके चलते कुल १७ यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट की विशेष रक्तदान संग्रहण इकाई वारासिवनी पहुंची थी। टीम के कुशल चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की देखरेख में पूरी सतर्कता और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए रक्तदान की प्रक्रिया पूरी कराई गई। सुबह से ही अस्पताल में रक्तदान करने के लिए युवाओं और गणमान्य नागरिकों का तांता लगा रहा। क्षेत्र के करीब १७ जागरूक व्यक्तियों ने अपना पंजीयन कराकर स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान कुछ ऐसे भी उत्साही नागरिक शिविर में पहुंचे जो रक्तदान करना चाहते थे। परंतु स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान डायबिटीज और शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी पाए जाने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें फिलहाल रक्तदान ना करने की सलाह दी और सुरक्षित रहने की समझाइश दी। रक्तदान शिविर के साथ साथ सिविल अस्पताल प्रबंधन के द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया। इस सत्र के तहत अस्पताल आने वाले समस्त मरीजों परिजनों और नागरिकों की नि:शुल्क एचआईवी जांच की गई। साथ ही उपस्थित जनसमुदाय को एचआईवी के संक्रमण, इसके फैलाव के कारणों,बचाव के तरीकों और समाज में इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के संबंध में विस्तृत और महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर वारासिवनी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक अस्पताल स्टाफ तथा रक्त संग्रहण इकाई के सभी सदस्य मौजूद रहे।

शासकीय एसएसपी कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का टोटा

छात्रों ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन , मांगें पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में पिछले लंबे समय से छात्र छात्राओं को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जूझना पड़ रहा है। महाविद्यालय परिसर में फैली इसी अव्यवस्था और विद्यार्थियों की परेशानियों को लेकर १० जून को भीम आर्मी स्टूडेंट्स संगठन के नेतृत्व में छात्रों ने महाविद्यालय की प्राचार्य रक्षा निकोसे को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से छात्रों ने परिसर की बदहाली को दूर करने और छात्र हित में तत्काल कदम उठाने की पुरजोर मांग की है।

भीषण गर्मी में खराब पड़े हैं पंखे पीने के पानी का भी संकट

ज्ञापन में विद्यार्थियों ने कॉलेज प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए बताया कि इस भीषण गर्मी के मौसम में भी क्लास रूम के पंखे खराब पड़े हुए हैं। जिसके कारण कमरों में बैठकर पढ़ाई करना पूरी तरह दूभर हो चुका है। उमस और तपन के बीच छात्र छात्राएं मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताडित हो रहे हैं। इसके अलावा कॉलेज में स्वच्छ और शुद्ध पेयजल की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। बहुसंख्यक छात्र.छात्राएं पिछले कई दिनों से पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। बुनियादी सुविधाओं के इस घोर अभाव का सीधा असर अब विद्यार्थियों की

पढ़ाई और उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन को छात्रों की जायज मांगों और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए परिसर में तत्काल प्रभाव से ठंडे व स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही सभी कक्षाओं के खराब पंखों को युद्धस्तर पर ठीक करवाया जाना चाहिए। छात्रों ने कॉलेज प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समय रहते इन मूलभूत समस्याओं का स्थायी निराकरण नहीं किया गया तो वे अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए आगे कदम उठाने को मजबूर होंगे। मांगें पूरी नही होने की स्थिति में छात्र शक्ति को एकजुट कर कॉलेज परिसर में उग्र आंदोलन और प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी। इस अवसर पर भीम आर्मी स्टूडेंट्स संगठन के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कॉलेज के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सभी छात्र छात्राओं की जायज मांगे पुरी नही हुई तो आंदोलन करेंगे-सुजल मेश्राम

सुजल मेश्राम ने बताया की शासकीय कॉलेज वारासिवनी हमारा दूसरा घर है लेकिन अत्यंत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज यहाँ के छात्र.छात्राएं बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। इस भीषण गर्मी के मौसम में भी महाविद्यालय के क्लास रूम के पंखे खराब पड़े हुए हैं जिससे कमरों में बैठना तक दूभर हो चुका है। इसके साथ ही परिसर में स्वच्छ और शुद्ध पीने के पानी की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसे माहौल में कोई भी विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर ध्यान कैसे केंद्रित कर सकता है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ को भीम आर्मी स्टूडेंट्स फेडरेशन कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। छात्रों की इन्हीं गंभीर समस्याओं को लेकर आज हमने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा है। हमारा महाविद्यालय प्रशासन से अनुरोध है कि छात्र छात्राओं की इस जायज मांगे पूरा करें। यदि प्रशासन ने हमारी इस मांग पर जल्द से जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो समस्त छात्र शक्ति को साथ लेकर उग्र आंदोलन और प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

आग लगने से जली किसान की सराव

किसान को हुआ लाखों का नुकसान, मवेशी भी झुलसे

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कोस्ते में बुधवार की दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। कोस्ते निवासी किसान घनश्याम एड़े के घर के सराव में अचानक आग लगने से सराव में रखी लाखों रुपये की कृषि सामग्री पैरा और कंडे जलकर खाक हो गए। वहीं अंदर बंधे मवेशी भी आग की लपटों से झुलसकर चोटिल हो गए हैं। पीड़ित परिवार ने शासन प्रशासन से उचित मुआवजें की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम एड़े अपने परिवार के साथ ग्राम कोस्ते स्थित पुश्तैनी मकान में रहते हैं। वें खेती किसानी के साथ साथ पशुपालन भी करते हैं और परिवार के भरण पोषण के लिए वारासिवनी सराफा बाजार स्थित ज्वेलर्स में दैनिक मजदूरी का कार्य करते हैं। बुधवार की सुबह भी वे अपने रोजमर्रा के कार्य निपटाकर मवेशियों को सराव में व्यवस्थित बांधकर काम पर चले गए थे। उनका पुत्र निर्दोष एडे भी नगर पालिका में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में ड्यूटी पर गया हुआ था। दोपहर के समय घर पर केवल महिलाएं और बुजुर्ग मौजूद थे। इसी दौरान सराव के ऊपर से गुजरी एलटी विद्युत लाइन के तारों में अचानक शार्ट सर्किट हुआ। जिससे नीचे रखे सूखे चारे पैरा ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते सराव धू.धू कर जलने लगी। आग की ऊंची लपटें और धुआं उठता देख घर की महिलाओं और आस पड़ोस के लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने भारी सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर सराव के भीतर बंधे मवेशियों के बंधनों को खोला और उन्हें बाहर निकाला। हालांकि इस प्रक्रिया में कुछ मवेशी आग की चपेट में आने से चोटिल हो गए जिनका उपचार किया जा रहा है। इसके बाद ग्रामीणों ने उपलब्ध संसाधनों पानी और मिट्टी से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही घनश्याम एडे और उनके पुत्र निर्दोष एडे तुरंत काम छोड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल नगर पालिका परिषद वारासिवनी के फायर ब्रिगेड को सूचित किया। सूचना मिलते ही दमकल वाहन फायर फ इटर्स के साथ गांव पहुंचा। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों और ग्रामीणों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी सराव में रखा भारी मात्रा में पैरा कंडे महत्वपूर्ण कृषि उपकरण और अन्य घरेलू सामग्रियां पूरी तरह जलकर राख के ढेर में तब्दील हो चुकी थीं। पीड़ित किसान घनश्याम एड़े ने बताया की मैं सुबह मवेशियों को व्यवस्थित बांधकर वारासिवनी काम पर गया था। तभी घर से फोन आया कि सराव में आग लग गई है। जब तक मैं पहुंचा आग भयानक रूप ले चुकी थी। इस हादसे में हमारे कृषि उपकरणए पैरा और पूरी सराव जल गई है जिससे हमें करीब ३ लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है। हमारी मांग है कि हमें उचित मुआवजा दिया जाए।

साजिश के तहत कांग्रेस प्रत्याशी का किया नामांकन रद्द-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश में राज्यसभा चुनाव और राजनीतिक उठा पटक के बीच वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल ने अपना बयान जारी कर कहा है की प्रदेश में विधायकों को १० करोड़ और ५ करोड़ रुपए दिए जाने की चर्चा है। लेकिन मुझे किसी प्रकार का कोई ऑफर नहीं मिला है। सामने वालो को पता है कि हम बिकने वालो में से नहीं है हमारी जरूरते कम है इसलिए हमारी जमीर में दम है। मुझे कोई खरीद नहीं सकता मै कांग्रेस का कार्यकर्ता हुं और पार्टी के साथ पूरी ईमानदारी के साथ खड़ा हुं। पार्टी आलाकमान को मुझ पर पूरा भरोसा है मुझे आलाकमान जो भी आदेश करेगा मैं उन्हें पूरा करूंगा। विधायक पटेल ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार बनी है लोकतंत्र की हत्या हो रही है। बहुमत की सरकार को अस्थिर करने और जनादेश के साथ खिलवाड़ करने की राजनीति की जा रही है। पूरी साजिश के साथ भाजपा ने तीसरा उम्मीदवार खड़ा किया है और कांग्रेस की प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन साजिश के साथ रद्द किया गया है। भाजपा के शासनकाल में चुनाव अधिकारी भी उन्हीं के साथ चलते है जिस प्रकार से भाजपा पार्टी लोकतंत्र की हत्या कर रही है। आने वाले समय पर जनता उन्हें कुर्सी से उतारकर नीचे बैठाएगी।

युद्ध के माहौल में भगवान श्री राम देंगे शान्ति

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं। ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें। आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। 1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पर्यावरण संरक्षण- प्राकृतिक संसाधनों को माफियाओं से मुक्त कराने शासन प्रशासन की चुनौती

वैश्विक स्तरपर विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष हमें यह स्मरण कराता है कि स्वच्छ पर्यावरण केवल प्रकृति का विषय नहीं बल्कि मानव अस्तित्व, संवैधानिक मूल्यों और सभ्यता के भविष्य का प्रश्न है। जल, जंगल, जमीन, स्वच्छ वायु और जैव विविधता केवल संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के आधार स्तंभ हैं। दुर्भाग्यवश आज भारत सहित विश्व के अनेक देशों में प्राकृतिक संसाधनों का अवैध और अनियंत्रित दोहन गंभीर चिंता का विषय बन चुका है।अवैध रेत खनन,जंगलों की कटाई भूजल का अंधाधुंध दोहन,नदियों के तटों का विनाश तथा वन्य संसाधनों की तस्करी ने पर्यावरणीय संतुलन को गहरा आघात पहुंचाया है।अनेक स्थानों पर तथाकथित रेती माफिया,वन माफिया,जल माफिया और भूमि माफिया संगठित रूप से कार्य कर रहे हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है,जब शासन और प्रशासन के कुछ तत्वों पर इन अवैध गतिविधियों के प्रति उदासीनता या मिली भगत के आरोप लगते हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरण संरक्षण के लिए बनाए गए कानून और नीतियां कागजों तक सीमित रह जाती हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र सीनियर एडवोकेट ओम मेठी साहब को समर्पित इस आर्टिकल के माध्यम से कहना चाहूंगा कि यदि प्राकृतिक संसाधनों को इन अवैध तंत्रों से मुक्त कर प्रभावी संरक्षण सुनिश्चित किया जाए,तो पर्यावरण संरक्षण अभियान को वास्तविक गति और सुचारिता प्राप्त हो सकती है।पृथ्वी केवल वर्तमान पीढ़ी की संपत्ति नहीं है; यह आने वाली पीढ़ियों की अमानत है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि सटीक रूप से नैतिक, सामाजिक और संवैधानिक जिम्मेदारी भी है। साथियों भारतीय संविधान की मूल भावना केवल शासन संचालन तक सीमित नहीं है। संविधान का उद्देश्य ऐसा समाज स्थापित करना है जिसमें प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो।इसी कारण पर्यावरण संरक्षण को भारतीय संवैधानिक दर्शन का अभिन्न अंग बनाया गया।वर्ष1976 में हुए 42 वें संविधान संशोधन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को विशेष संवैधानिक महत्व प्रदान किया गया। संविधान के अनुच्छेद 48(क) में राज्य को निर्देश दिया गया कि वह पर्यावरण, वन तथा वन्यजीवों की रक्षा और संवर्धन करेगा। इसी प्रकार अनुच्छेद 51(क)(ग) प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य निर्धारित करता है कि वह प्राकृतिक पर्यावरण, जिसमें वन, झीलें, नदियां और वन्यजीव शामिल हैं, की रक्षा और संवर्धन करे तथा जीवधारियों के प्रति करुणा रखे। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 21, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है,की न्यायिक व्याख्या ने स्वच्छ पर्यावरण को जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। अनुच्छेद 47 सार्वजनिक स्वास्थ्य के संवर्धन को राज्य का कर्तव्य घोषित करता है।इस प्रकार संविधान स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि पर्यावरण संरक्षण कोई वैकल्पिक नीति नहीं बल्कि राज्य और नागरिक दोनों की साझा जिम्मेदारी है। साथियों भारतीय न्यायपालिका ने पर्यावरणीय न्यायशास्त्र के विकास में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों में यह स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीना प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ मामलों की श्रृंखला ने पर्यावरणीय कानूनों के क्रियान्वयन को नई दिशा दी।गंगा प्रदूषण,ताजमहल संरक्षण, औद्योगिक प्रदूषण और वाहन उत्सर्जन से जुड़े मामलों में न्यायालय ने कठोर निर्देश जारी किए। सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि स्वच्छ जल और प्रदूषणमुक्त वायु का अधिकार अनुच्छेद 21 के अंतर्गत संरक्षित है। वेल्लोर सिटीजन्स वेलफेयर फोरम बनाम भारत संघ मामले में न्यायालय ने सतत विकास, प्रदूषक भुगतान सिद्धांत तथा पूर्व सावधानी सिद्धांत को भारतीय कानून का हिस्सा माना। टी.एन. गोदावर्मन प्रकरण में वन संरक्षण की व्यापक व्याख्या की गई और वनों की अवैध कटाई पर अंकुश लगाने के लिए महत्वपूर्ण आदेश दिए गए। विभिन्न उच्च न्यायालयों ने भी नदियों, झीलों, भूजल और हरित क्षेत्रों के संरक्षण को नागरिकों के जीवन के अधिकार से जोड़ते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। न्यायपालिका का यह दृष्टिकोण स्पष्ट करता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासनिक विषय नहीं बल्कि मौलिक अधिकारों का प्रश्न है।

साथियों, पर्यावरण संरक्षण के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने समय-समय पर अनेक कानून बनाए हैं। प्रमुख कानूनों में जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974; वन संरक्षण अधिनियम, 1980; वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981; पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986; जैव विविधता अधिनियम, 2002; राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010 तथा विभिन्न खनन और वन्यजीव संरक्षण संबंधी कानून शामिल हैं। राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, भूजल प्राधिकरण तथा स्थानीय निकाय पर्यावरणीय नियमों के पालन हेतु जिम्मेदार हैं। परंतु समस्या कानूनों के अभाव की नहीं बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है।अनेक क्षेत्रों में अवैध खनन अतिक्रमण और प्राकृतिक संसाधनों की लूट यह संकेत देती है कि निगरानी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की आवश्यकता है।उपग्रह निगरानी,ड्रोन सर्विलांस, डिजिटल खनन ट्रैकिंग, ई- परमिट व्यवस्था और सामाजिक लेखा परीक्षा जैसे उपायों को मजबूत बनाना होगा। साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में संलिप्त संगठित अपराध समूहों तथा उनके संरक्षणकर्ताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई आवश्यक है। जब तक कानून का निष्पक्ष और समान रूप से पालन नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय न्याय का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

साथियो, पर्यावरण संरक्षण केवल राष्ट्रीय नहीं बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने समय-समय पर अनेक संधियों और समझौतों के माध्यम से पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने का प्रयास किया है। वर्ष 1972 का स्टॉकहोम सम्मेलन आधुनिक वैश्विक पर्यावरण आंदोलन की महत्वपूर्ण शुरुआत माना जाता है। इसके बाद 1992 का रियो अर्थ समिट, जैव विविधता सम्मेलन (सीबीडी), संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय,क्योटो प्रोटोकॉल, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल, रामसर कन्वेंशन,संयुक्त राष्ट्र

मरुस्थलीकरण निरोधक अभिसमय तथा पेरिस जलवायु समझौता वैश्विक पर्यावरण शासन के प्रमुख स्तंभ बने। विशेष रूप से पेरिस समझौते ने वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का सामूहिक लक्ष्य निर्धारित किया।मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को ओजोन परत संरक्षण के क्षेत्र में सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय समझौतों में गिना जाता है। इन सभी संधियों का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। भारत इन अधिकांश अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का सक्रिय भागीदार रहा है और उसने नवीकरणीय ऊर्जा, हरित विकास तथा जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहलें भी की हैं। साथियों अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बावजूद इसके बावजूद वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन आज मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। वैश्विक तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा,अत्यधिक गर्मी,लंबे सूखे, असामान्य ठंड, समुद्र स्तर में वृद्धि तथा जैव विविधता का क्षरण विश्वभर में दिखाई दे रहा है।कई बार गर्मियों में ओलावृष्टि वर्षा ऋतु में असामान्य शुष्कता, शीतकाल में असामान्य गर्मी और मौसम चक्रों में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। हाल के वर्षों में विश्व ने अनेक विनाशकारी चक्रवातों और तूफानों का सामना किया है, जिनमें भारत और आसपास के क्षेत्र में आए चक्रवात अम्फान, ताउते,यास, बिपरजॉय, मिचौंग, रेमल तथा अन्य उष्णकटिबंधीय तूफान उल्लेखनीय हैं। इसके अतिरिक्त यूरोप, अमेरिका, एशिया और अफ्रीका के अनेक हिस्सों में भीषण बाढ़, जंगलों में आग, हीटवेव और सूखे की घटनाएं बढ़ी हैं।हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का पिघलना, भू-स्खलन, बादल फटना और अचानक बाढ़ जैसी घटनाएं नई चिंताएं उत्पन्न कर रही हैं,इसपर वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि प्राकृतिक संसाधनों का वर्तमान स्वरूप में दोहन जारी रहा, तो आने वाले दशकों में जल, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर सटीकता से गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।

साथियों, आज आवश्यकता केवल पर्यावरण दिवस मनाने की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चेतना को व्यवहार में उतारने की है। यदि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए, अवैध खनन और वन विनाश में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई हो, प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जाए, तो पर्यावरण संरक्षण के प्रयास कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं।पर्यावरणीय अपराधों को केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि भावी पीढ़ियों के अधिकारों के विरुद्ध अपराध के रूप में देखने की आवश्यकता है। शासन, न्यायपालिका, प्रशासन, वैज्ञानिक समुदाय, नागरिक समाज और आम नागरिकों को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण परस्पर विरोधी नहीं बल्कि पूरक बन सकें।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह समझना होगा कि स्वच्छ पर्यावरण संविधान का मूल्य है, मानव अधिकार है और सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। प्रकृति का संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि राष्ट्रीय चरित्र का प्रश्न है। जब प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएगा,जब प्रशासन पारदर्शी और जवाबदेह होगा, जब कानूनों का कठोर और निष्पक्ष पालन होगा तथा जब प्राकृतिक संसाधनों को माफियाओं और अवैध दोहन से मुक्त किया जाएगा, तभी एक स्वच्छ, सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानपूर्ण भारत तथा टिकाऊ विश्व व्यवस्था का निर्माण संभव होगा। यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी और सबसे बड़ी पर्यावरणीय विरासत होगी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मोदी युग के बारह वर्ष- विकास, विश्वास और विराट का उदय

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है। मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सडकों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया। मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है। इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है। हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करो? रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए। उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया- मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा? किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई। उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

-ललित गर्ग

दवाओं पर महंगाई की मार बढ़ती कीमतों से मरीजों का बढ़ा आर्थिक बोझ

- कांतिलाल मांडोत

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका प्रभाव चिंताजनक रूप में सामने आया है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेजी से वृद्धि, समुद्री भाड़े में बढ़ोतरी, पैकेजिंग सामग्री के महंगे होने और परिवहन लागत बढ़ने के कारण दवा कंपनियों ने कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ा दिए हैं। बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं।

भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है।

दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतल, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और मेडिकल उपकरणों में प्लास्टिक तथा एल्युमीनियम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इन दोनों सामग्रियों की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण उत्पादन लागत बढ़ी है और कंपनियों को अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी का असर विशेष रूप से उन दवाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर होता है।

समुद्री परिवहन की लागत में वृद्धि भी दवा उद्योग के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी कंपनियों ने भाड़ा बढ़ा दिया है। साथ ही बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी वृद्धि हुई है। इसका असर आयातित कच्चे माल की कीमतों पर पड़ा है। जब उत्पादन की लागत बढ़ती है तो अंततः उसका बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यही कारण है कि दवाओं की नई खेप पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक असर उन दवाओं पर दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग रोजमर्रा के उपचार में किया जाता है। बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों की दवाएं पहले की तुलना में महंगी हो गई हैं। पैरासिटामोल जैसे सामान्य उपयोग के साल्ट के कच्चे माल की कीमत में एक महीने के भीतर लगभग 47 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। दर्द निवारक दवाओं में उपयोग होने वाले डाइक्लोफेनाक और डाइक्लोफेनाक पोटेशियम की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में अमॉक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हो गए हैं। इससे संक्रमण संबंधी उपचार की लागत बढ़ने की आशंका है।

दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। ऐसे परिवार जिनमें बुजुर्ग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित सदस्य हैं, उन्हें हर महीने दवाओं पर निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती है। जब दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है तो घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव बनता है। कई बार मरीज आर्थिक कारणों से दवाओं की मात्रा कम कर देते हैं या उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है।

चिंता की बात यह भी है कि बड़ी दवा कंपनियां आमतौर पर तीन से छह महीने तक का कच्चा माल अपने पास संग्रहित रखती हैं, इसलिए उन पर तत्काल असर अपेक्षाकृत कम पड़ता है। लेकिन छोटी और मध्यम स्तर की दवा कंपनियां सीमित मात्रा में ही कच्चा माल खरीद पाती हैं। जब सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो इन कंपनियों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। कई कंपनियां नए ऑर्डर लेने में भी हिचकिचा रही हैं। इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले महीनों में दवाओं के थोक और खुदरा दामों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका असर केवल सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरण और अस्पतालों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की कुल लागत बढ़ेगी और आम नागरिकों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। देश में ही आवश्यक रसायनों और एपीआई के उत्पादन को बढ़ावा देकर भविष्य में ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करनी होगी जिससे आवश्यक दवाओं की कीमतें नियंत्रण में रहें और मरीजों को राहत मिल सके।

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी हैं। यदि समय रहते इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में लाखों मरीजों के लिए इलाज कराना और अधिक महंगा हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जाए, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए और मरीजों को सस्ती व सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। तभी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा माँग के चलते बुधवार को किराना जिंसों में जीरा बाजार सुर्ख रहे। शक्कर, खोपरा गोला भी मजबूत नज़र आये। खाद्य तेलों में सुस्ती आयी। तिलहनों में सोयाबीन में सुधार रहा। दलहनों में चना 6100 रू. क्विंटल पर मजबूत रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार जीरे में वार्षिक संग्रहण वालों की लेवाली है, जिससे बाजार सुर्ख नज़र आये। शक्कर व खोपरा गोला मजबूत बना रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती बनी। तिलहनों में सोयाबीन में मामूली सुधार दर्ज हुआ। दलहनों में चना 6100 रू. क्विंटल पर मजबूत रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4275, खोपरा गोला 385-425, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2300-2350, (200) 2400-2450, (250) 2700-2750

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1395-1405, सोया रिफाइंड 1460-1465, कपास्या 1480, धूलिया 1485, कड़ी 1485,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1465, मुम्बई सोया 1485,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6800-7100, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। विश्व बाजार में बनी चौतरफा गिरावट का असर स्थानीय सराफा बाजार पर भी देखा गया। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 236500, चाँदी (99) 236000, टंच 235500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 146500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को रुपया 7 पैसे की तेजी के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.54 के स्तर पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 95.35 पर बंद हुअ था। आज विदेशी मुद्रा बाजार (फॉरेक्स) में रुपये पर दबाव देखा जा रहा है, जिससे ये गिरावट आई है। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.47 पर खुला और बाद में 95.41 तक पहुंच गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में 20 पैसे की बढ़त दिखाता है जबकि सोमवार को रुपया 43 पैसे कमजोर होकर 95.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 64 अंक उछला, निफ्टी 27 अंक गिरा

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अंतिम समय पर बिकवाली हावी होने से बाजार ने आज दिन भर में हासिल बढ़त गंवा दी। शेयर बाजार सुबह गिरावट के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। दिन में एक समय बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंक की बढ़त पर था पर आंखिरी घंटे में उसने ये बढ़त खो दी । जिससे बाजार बंद होते समय सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ जबकि निफ्टी में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.42 अंक बढ़कर हल्की तेजी के साथ 73,983.18 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.15 अंक की गिरावट के साथ 23,214.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज बजाज फिनसर्व,

टाइटन, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं निफ्टी में कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में 1.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.33 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही। दूसरी ओर, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 380.76 अंक करीब 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 74,299.52 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 96.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी चढ़कर 23,338.20 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर निवेशकों की नजर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर बनी हुई है। अमेरिका और ईरान पर तनाव बढ़ने से निवेशक बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। इसी कारण बाजार गिर रहा है।

घरेलू गैस सिलेंडर-लेह में सबसे महंगा, मुंबई में सबसे सस्ता

नई दिल्ली। एजेंसी। देशभर में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 10 जून को कोई बदलाव नहीं आया, लेकिन विभिन्न शहरों में इनकी दरों में भारी अंतर दिख रहा है। इंडियन ऑयल के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर लेह में 1,179 रुपये में सबसे महंगा मिल रहा है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये में सबसे सस्ता उपलब्ध है। इन दोनों शहरों के बीच कीमत का अंतर 237.50 रुपये है। विशेषज्ञों का कहना है कि परिवहन लागत और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में एलपीजी की कीमतें अधिक होती हैं। लेह के अलावा, नॉर्थ त्रिपुरा में 1,119.50 रुपये, गंगटोक में 1,094.50 रुपये, आइजॉल में 1,094 रुपये और वेस्ट इंफाल में 1,093.50 रुपये में मिल रहा है। श्रीनगर में कीमत 1,058 रुपये है। इसके विपरीत, देश के कई प्रमुख शहरों में घरेलू गैस सिलेंडर 1,000 रुपये से कम में मिल रहा है। मुंबई के 941.50 रुपये के बाद, बेंगलुरु में 944.50 रुपये, अहमदाबाद और गुरुग्राम में 949 रुपये, जयपुर में 952.50 रुपये और गोवा में 956 रुपये है। चेन्नई में यह 957.50, देहरादून में 961, कोलकाता में 968 और लखनऊ में 976.50 रुपये में उपलब्ध है। हैदराबाद में भी सिलेंडर 994 रुपये में मिल रहा है। वहीं 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी इसी तरह का भारी अंतर दिख रहा है। लेह में यह 3,752 रुपये में सबसे महंगा है, जबकि मुंबई में 3,067.50 रुपये में उपलब्ध है, जो प्रमुख महानगरों में अपेक्षाकृत सस्ता है। नॉर्थ त्रिपुरा में 3,638 रुपये, गंगटोक में 3,631.50 रुपये और वेस्ट इंफाल में 3,599 रुपये का कमर्शियल सिलेंडर मिल रहा है। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में यह भिन्नता कई कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत, राज्य और स्थानीय कर, भंडारण एवं वितरण खर्च और भौगोलिक स्थिति शामिल हैं।

महंगाई से कर्मचारी नहीं कर पा रहे खर्च पूरे, अतिरिक्त कमाई का तलाश रहे जरिया

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में लगातार बढ़ती महंगाई का असर अब लोगों के करियर और नौकरी से जुड़े फैसलों पर दिखने लगा है। रोजमर्रा के खर्च, मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई और आने-जाने का खर्च बढ़ने से कर्मचारियों को लगने लगा है कि उनकी मौजूदा सैलरी अब पहले जैसी राहत नहीं दे रही। यही वजह है कि लोग अतिरिक्त कमाई के रास्ते तलाश रहे हैं, बेहतर वेतन वाली नौकरियों की ओर देख रहे हैं और यहां तक कि महंगे महानगरों को छोड़कर छोटे शहरों में बसने की सोच रहे हैं। एक सर्वे रिपोर्ट में यह तस्वीर सामने आई है। सर्वे में 1,200 से ज्यादा कर्मचारियों और 1,000 से ज्यादा कंपनियों की राय शामिल की गई। सर्वे के मुताबिक 68 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मौजूदा आमदनी उनके जीवन-यापन के खर्चों को पूरा नहीं कर पा रही है। करीब 32 फीसदी लोगों ने कहा कि उनकी आय किसी तरह खर्च निकालने लायक है। वहीं 24 फीसदी कर्मचारियों ने माना कि उनके लिए आर्थिक स्थिति संभालना मुश्किल हो रहा है। 12 फीसदी लोगों ने तो खुद को गंभीर वित्तीय दबाव में बताया। दूसरी ओर केवल 13 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि उनकी आय आरामदायक जीवन जीने के लिए पर्याप्त है। महंगाई का असर लोगों की मानसिक स्थिति पर भी दिखाई दे रहा है। सर्वे में शामिल 41 फीसदी कर्मचारियों ने कहा कि वे आज से दो साल पहले की तुलना में ज्यादा वित्तीय तनाव महसूस कर रहे हैं। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजों, मकान किराया, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च ने मध्यम वर्ग की बचत पर असर डाला है। ऐसे में लोगों के लिए सिर्फ एक नौकरी के भरोसे वित्तीय लक्ष्य पूरे करना मुश्किल है। बढ़ते खर्चों के बीच अब कई कर्मचारी सिर्फ अपनी सैलरी पर निर्भर नहीं रहना चाहते। सर्वे के मुताबिक 14 फीसदी लोग नियमित रूप से फ्रीलांसिंग या किसी दूसरे काम के जरिए अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं। वहीं 19 फीसदी लोग समय-समय पर साइड इनकम करते हैं। इसके अलावा 24 फीसदी कर्मचारी ऐसे हैं जो भविष्य में कोई अतिरिक्त कमाई का जरिया शुरू करने पर विचार कर रहे हैं।

मेष- आज आपके अंदर गजब की ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। मन में कुछ नया करने की प्रेरणा जागेगी और उसका असर आपके काम और बिजनेस दोनों में साफ नजर आएगा। अधूरे काम तेजी से पूरे होंगे और कारोबार में भी रफ्तार आएगी। अगर किसी नई पार्टनरशिप का विचार चल रहा है, तो थोड़ा ठहरकर फैसला लें। संतान की खुशी के लिए नया वाहन लेने का मन बना सकते हैं। घर में मेहमानों के आने से रौनक बढ़ेगी, लेकिन पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है।

वृषभ- आज मन थोड़ा उलझा-उलझा रह सकता है। किसी काम को लेकर डर या असमंजस आपको बेचैन करेगा, लेकिन धैर्य ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। किसी की बातों में आकर जल्दबाजी में फैसला न लें। प्रॉपर्टी से जुड़ा मामला आपके पक्ष में जा सकता है। पानी से जुड़ी जगहों पर सावधानी रखें। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को मेहनत जारी रखनी होगी, क्योंकि सफलता धीरे-धीरे ही सही लेकिन जरूर मिलेगी।

मिथुन- आज आर्थिक स्थिति मजबूत होती नजर आएगी। आय बढ़ाने के मौके मिलेंगे और भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। ससुराल पक्ष से मुलाकात रिश्तों में मिठास लाएगी। परिवार की बातों को घर तक ही सीमित रखें, वरना छोटी बात बड़ा रूप ले सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद रुके हुए काम पूरे करवाएगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके बहुत काम आने वाली है।

कर्क- आज का दिन प्रगति और सहयोग से भरा रहेगा। वरिष्ठ लोगों का साथ मिलने से काम तेजी से पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास सफल रहेंगे। कोई पुराना दोस्त अचानक मिल सकता है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी। संतान से किया वादा निभाना जरूरी रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं।

सिंह- आज भाग्य आपका साथ देगा और अटके हुए काम आगे बढ़ते नजर आएंगे। अगर किसी काम में रुकावटें थीं, तो अब रास्ता साफ होगा। दूसरों के मामलों में ज्यादा दखल देने से बचें। किसी दूर के रिश्तेदार से थोड़ी निराशाजनक खबर मिल सकती है। आसपास के लोगों को पहचानकर चलें, क्योंकि कुछ लोग आपकी तरक्की से जल सकते हैं। बैंक से लोन लेने के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

कन्या- आज आपको संतुलन और सावधानी दोनों की जरूरत होगी। संतान की संगति पर नजर रखें और वाहन चलाते समय भी पूरी सतर्कता बरतें। पुराने लेन-देन का बोझ कम होने से राहत महसूस होगी। शौक और पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन करेगा। प्रेम जीवन में मिठास बनी रहेगी और साथी के साथ बाहर घूमने का मौका मिल सकता है।

तुला- आज का दिन सुकून और अपनापन लेकर आएगा। जीवनसाथी का साथ आपको मानसिक मजबूती देगा और रिश्तों में प्यार बढ़ेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरने की कोशिश करेगी। छोटे बच्चों के लिए कुछ खास खरीदने का मन बनेगा। माताजी द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाना जरूरी होगा। दोस्तों के साथ बिताया समय आपके तनाव को कम करेगा।

वृश्चिक- आज का दिन मिला-जुला लेकिन प्रगति देने वाला रहेगा। विरोधियों पर आपकी पकड़ मजबूत रहेगी और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। बिजनेस से जुड़ा कोई काम आपको यात्रा पर ले जा सकता है। गुस्से पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में फायदा दिला सकती है।

धनु- आज व्यापार और करियर दोनों के लिए अच्छा दिन रहेगा। सेहत में सुधार महसूस होगा, लेकिन धन उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अपनी बात साफ-साफ रखें। घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए शुभ रहेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी।

मकर- आज सेहत के मामले में राहत मिलेगी और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सौभाग्य लेकर आएगा। रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। जिम्मेदारियों को टालने से बचें। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करें, इससे रिश्ते मजबूत होंगे। पुराने कर्ज से छुटकारा मिलने के संकेत हैं। आसपास के लोगों की नीयत पहचानकर चलना जरूरी रहेगा।

कुंभ- आज मेहनत का फल साफ नजर आएगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी, जिससे बड़े फैसले लेने में आसानी होगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। पार्टनरशिप से जुड़े कामों में कागजी प्रक्रिया ध्यान से पूरी करें। नया घर या संपत्ति खरीदने का विचार भी मन में आ सकता है।

मीन- आज का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। समझदारी से किया गया निवेश अच्छा फायदा दे सकता है। बिजनेस में सफलता के संकेत हैं और रुका हुआ धन वापस मिलने से राहत मिलेगी। प्रेम जीवन में नई खुशियां आएंगी और साथी का साथ मन को सुकून देगा। आपकी मीठी वाणी लोगों को आकर्षित करेगी, लेकिन विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहना जरूरी होगा।

शब्दजाल - 8286

शब्द जाल में उन 10 खेलों के नाम ढूंढिए, जो विश्व भर में खेले जाते हैं. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हॉकी, बेसबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, रग्बी, वालीबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केट बॉल, जूडो

ची	अ	मे	रि	क्रि	पा	तू	हॉ	की	प	वा
न	र	ग्बी	प	के	डे	ने	शि	या	इ	स्के
अ	दा	जा	ला	ट	ग	स	ट	ह	प	ट
वा	ग	टे	पा	व	टू	फु	प	बे	लि	बॉ
ली	ना	अ	ब	न	जा	ल	ट	स	प	ल
बॉ	इ	ह	मो	ल	प	वा	त	बॉ	यु	बा
ल	जी	ल	ह	व	टे	रि	स	ल	ल	ज
र	रि	भा	र	त	प	नि	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	टे	ज	स	शा	जू	दे
र	ज	ल	प	न	सिं	ब्रा	रे	अ	प	श
बां	स	ल	लॉ	रु	स	जू	डे	प	क	र

शब्दजाल - 8285 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.35 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	07.48 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.04 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.16 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.27 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.42 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.58 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.03 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.49 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.22 बजे से
		मेष	01.53 बजे से
		वृष	03.33 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 162 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि एकादशी 22.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 08.17 बजे को समाप्त।
योग शोभन 01.00 बजे रात को समाप्त।
करण बव 11.53 बजे तदन्तर बालव 22.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23°04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872737
जूलियन दिन 2461202.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज तारीख 25
विशेष कमला एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बादशाह की अंगूठी

बगदाद के बादशाह हजरत उमर बिन अजीज के पास एक बेशकीमती अंगूठी थी। बादशाह को उससे बड़ा लगाव था। कहते हैं कि उसी अंगूठी के कारण ही अजीज की गिनती दुनिया के महान बादशाहों में होती थी। एक बार बगदाद में भयंकर सूखा पड़ा। चारों तरफ त्राहि त्राहि मच गई। बादशाह ने शाही खजाना खोल कर जनता की तकलीफ दूर करने की कोशिश की पर धीरे - धीरे वह भी खाली हो गया। आखिरकार बादशाह ने राज्य के सभी प्रमुख लोगों की बैठक बुलाई , लेकिन कोई हल नहीं निकला। एक दिन दरबार में बादशाह ने अपनी अंगूठी निकाल कर खजांची को देते हुए कहा , 'इसे बेच दो। मेरे पास अब सूखा राहत के लिए कुछ नहीं बचा।' दरबारियों में हलचल हुई। सब जानते थे कि बादशाह को अंगूठी बहुत प्यारी है। एक दरबारी ने कहा , 'थोड़ा इंतजार कर लीजिए। बारिश होने में अब कुछ ही दिन बाकी है। सब ठीक हो जाएगा। मगर ऐसी अंगूठी फिर नहीं मिलेगी।' बादशाह ने कहा, 'ठीक कहते हो। मगर मैं बारिश के भरोसे लोगों को नहीं छोड़ सकता। मुझसे जितना होगा मैं उनके लिए करूंगा। आम आदमी दुख सहता रहे और मैं अंगूठी का मोह करूं यह ठीक नहीं है। एक बादशाह का फर्ज है कि वह तकलीफ में लोगों का साथ दे।' दरबारियों ने मौन होकर बादशाह के निर्णय का स्वागत किया और बादशाह का अनुकरण करते हुए उन्होंने भी अपने कीमती सामान बेच कर उसके पैसे सूखा राहत कोष में जमा करा दिए।

फिल्म वर्ग पहेली - 7230

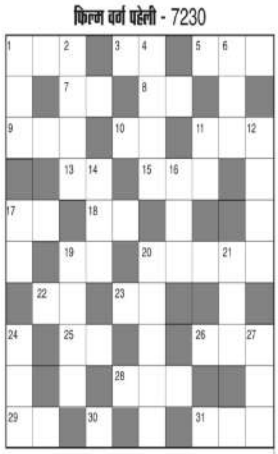

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कैवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरुद्दीनशाह, जैकी, रागमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आपेना आसेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली सुहलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र है-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं आँचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी हथेली के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7229

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7539

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7538 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8754

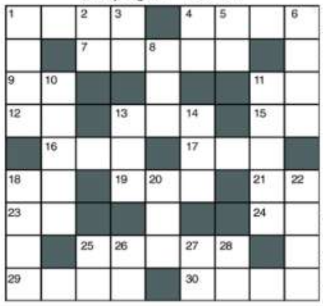

बाएँ से दाएँ

1. दुर्व्यवहार, बुरा आचरण-4
4. पंजाब की एक नदी-4
7. अनाथालय-5
9. दूसरा, पराया-2
11. चलने का तरीका-2
12. नृत्य-2
13. समीप, पास, नजदीक-3
15. बुरी आदत-2
16. नृत्य करना-3
17. प्रलोभन, हवस, तृष्णा-3
18. मालिक, ईश्वर-2
19. निहित, कारण-3
21. भाग्य(अंग्रेजी-2)
23. थूक, लेस-2
24. नवीन, नव-2
25. नयापन, अनूठापन-5
29. नामवाला, नामचिन-4
30. करिश्मा, चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1. मनोरचना, मनगढ़ंत-4
2. कोक, कहवा-2
3. कामदेव की पत्नी-2
4. मित्र, दोस्त-2
5. पेड़ का मध्य भाग-2
6. नादानी, अनाड़ीपन-4
8. बंदर नचाने वाला-3
10. रचना करने वाला-5
11. आरचण, चरित्र-5
13. कपड़े की दिवार-3
14. उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18. पूजा, प्रार्थना-4
20. खूबसुरत, सुन्दर-3
22. कहर, भूचाल-4
25. नया, नवीन-2
26. शूर, बहादूर, सूरमा-2
27. अवधि में, पर्यंत-2
28. मृत, अप्रबल-2

शब्द पहेली -8753 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर किया विरोध

ब्लाक कांग्रेस कमेटी ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस चौक में किया एक दिवसीय सत्याग्रह धरना प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पार्टी नेताओं ने चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती देते हुए एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। रिटर्निंग अधिकारी ने नामांकन पत्र की जांच के दौरान एक कथित लंबित प्रकरण की जानकारी शपथपत्र में दर्ज नहीं होने के आधार पर नामांकन निरस्त किया। कांग्रेस का दावा है कि यह निर्णय कानून और लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध है, जबकि भाजपा का कहना है कि नामांकन में आवश्यक जानकारी छिपाई गई थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर निर्णय वापस लेने की मांग की है तथा कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लडने् की बात कही है। पार्टी ने इसे लोकतंत्र की हत्या और राज्यसभा सीट की चोरी बताया है। साथ ही संपूर्ण प्रदेश में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर सभी जिला एवं तहसील मुख्यालयों मे एक दिवसीय धरना सत्याग्रह प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 10 जून को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला, नगर कांग्रेस लांजी के संयुक्त तत्वाधान में नगर के नेताजी सुभाषचन्द्र बोस चौक में लोकतंत्र बचाने हेतु एक दिवसीय सत्याग्रह धरना प्रदर्शन किया जाकर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला गया है। इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, ब्लॉक कांग्रेस कमिटी लांजी के अध्यक्ष रेवाजी करहाटकर, युवा कांग्रेस कमेटी लांजी -

किरनापुर के अध्यक्ष मनीष हुकुमचंद जुझार, जनपद अध्यक्ष अर्चना रेवेंद्र खोंगल, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सरपंच संघ लांजी के अध्यक्ष ललित कबीरे, राजू मेंढे, शरद आसटकर, ओंकार रहांगडाले, मुकेश रणदिवे सहित पार्टी पदाधिकारी एवं बडी संख्या में कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। नगर कांग्रेस अध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद सौरभ पशीने ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जी से एक सवाल है जब मीनाक्षी नटराजन जी के खिलाफ को अपराध ही दर्ज नही है। मात्र कोर्ट का एक नोटीस मिला हुआ है। तो कैसे भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा उनका निर्वाचन पत्र निरस्त कर दिया गया है। कोर्ट नोटिस और एफ आई आर में फर्क है कि नही जिस प्रकार से यह सरकार लगातार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। चाहे 2020 में इन्होने कांग्रेस की सरकार गिरा दी, सरकार यूं तो बडे बडे नारी वंदन की बात करती है नारी को सम्मान देने की बात करती है। लेकिन सरकार ने मध्यप्रदेश के अन्दर किसी भी नारी को राज्य सभा की टिकट नही दिया। लेकिन जब कांग्रेस ने नारी को राज्य सभा की टिकट दिया तो उनका फार्म गलत तरीके से लोकतंत्र की हत्या कर निरस्त कर दिया गया। भारत निर्वाचन आयोग के माध्यम से यह जो कार्य सरकार ने किया वह बहुत निंदनीय है। जनपद उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय अवसरे ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यह केवल एक प्रत्याशी का मामला नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का विषय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अन्याय और तानाशाही प्रवृत्तियों के खिलाफ लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। अजय अवसरे ने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी और जनता की आवाज को दबाने नहीं देगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। यह फैसला निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। कांग्रेस पार्टी इस अन्यायपूर्ण कार्रवाई का पुरजोर विरोध करती है और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचकर इस मुद्दे को जनता के सामने रखेंगे तथा लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाते रहेंगे। सत्याग्रह प्रदर्शन के इस कार्यक्रम को जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे, लांजी अध्यक्ष रेवाजी करहाटकरे, सभापति दिनेश लाड़े सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। इस दौरान प्रमुख रूप से सभापति दिनेश लांडे, पूर्व जनपद सदस्य घनश्याम पटले , मुरलीधर बावनथडे , बहेला मंडलम अध्यक्ष सैयद अरशद, डॉ मोहम्मद आरिफ नजमी, जनार्दन मोरघडे , प्रेमलाल हाथीमारे ,जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव व जनपद सदस्य मनीष भिमटे, आशीष श्रीवास्तव, अधिवक्ता अनमोल तिडके, रामकृष्ण गिरिया, प्रवीण दुबे, आईटी सेल के अध्यक्ष शिवम नखाते, राजू मस्करे, अमन श्रीवास्तव, चंद्रभोज मलगाम , माखन दास दशरिया, टीकाराम पांचे, चंदन टिडके, अशोक आसटकर, राधेश्याम सिंघनदुबे , किशोरी लाल पाँचे, संतोष पंद्रे, भरत लाल बनोठे, राजेंद्र मेंढे , चंद्रदीप रामटेके, कार्तिक बावनथडे, देवा टेंभरे, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओवरटेक कर रही बस ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर 17 वर्षीय किशोरी की मौत, युवक घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-सालेटेकरी मार्ग पर

दो लंबी दूरी की बसों के ओवरटेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में 17 वर्षीय किशोरी कु. लतेश्वरी उर्फ

पिंकी परते की मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना 10 जून को शाम लगभग 4=30 बजे लोड़ामा के छापरनाला मोड़ के समीप हुई। बीजागढ़ निवासी तुलसीराम नेताम (36 वर्ष), पिता आनंद नेताम, अपनी मामा बहन लतेश्वरी उर्फ पिंकी परते (17 वर्ष), पिता सूरजलाल परते के साथ लांजी बाजार से सामान खरीदकर मोटरसाइकिल से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सालेटेकरी से हैदराबाद जा रही दो बसें ओवरटेकिंग करते हुए अचानक सामने आ गई। तुलसीराम नेताम ने बताया कि बसें तेज रफ्तार में ओवरटेक कर रही थीं। उन्होंने मोटरसाइकिल रोककर जगह देने का इशारा भी किया, लेकिन बसों की गति इतनी तेज थी कि वे नहीं रुकीं और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तुलसीराम सड़क के किनारे फेंक दिए गए, जबकि पीछे बैठी पिंकी सड़क पर गिर गई। बस ने उसे कुचलते हुए करीब 50 फीट तक घसीट लिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। दुर्घटना में तुलसीराम नेताम के पैर, हाथ और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों को सूचना मिलते ही वे घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों को निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी ले गए। घायल तुलसीराम को भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर मौके पर पहुंची टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। मृतका का पोस्टमार्टम 11 जून को सुबह किया जाएगा। घटना कारित बस को पुलिस थाना लांजी में खड़ा कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

गांगजीराजा मंदिर में चोरी के बाद आगजनी, दानपेटी का ताला तोड़कर ले गए दानराशि

मन्नत के 300 से अधिक नारियल और चुनरियां जलीं, धर्मस्थल को नुकसान पहुंचाने की मंशा पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्मनगरी लांजी से लगभग 12 किलोमीटर दूर जंगल में स्थित प्राचीन गांगजीराजा मंदिर में चोरी और आगजनी की घटना सामने आने से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में नाराजगी है। अज्ञात बदमाशों ने मंदिर की दानपेटी का ताला तोड़कर दानराशि चोरी कर ली और इसके बाद मंदिर परिसर में बांधी गई मन्नत के 300 से अधिक नारियल और चुनरियां में आग लगा दी गई, जिससे भारी नुकसान हुआ। घटना की जानकारी बुधवार सुबह उस समय लगी जब मंदिर के पुजारी कुमार टेकाम रोजाना की तरह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। पुजारी कुमार टेकाम ने बताया कि वह मंगलवार शाम करीब पांच बजे मंदिर से अपने घर चले गए थे। बुधवार 10 जून की सुबह लगभग छह बजे जब वह मंदिर पहुंचे तो देखा कि मंदिर परिसर में आग सब जल चुका है और दानपेटी का ताला टूटा पड़ा है। इसके बाद उन्होंने तत्काल ग्राम पंचायत सरपंच, कोटवार और पुलिस को घटना की सूचना दी। ग्राम कोटवार श्यामलाल ने बताया कि सुबह करीब सात बजे उन्हें घटना की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचने पर

दानपेटी में लगे दो ताले टूटे पड़े थे और उसमें रखी दान राशि गायब थी। सूचना मिलने के बाद सुलसुली चौकी से पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। लांजी थाना प्रभारी दीपसिंह परमार ने बताया कि घटना मंगलवार रात की प्रतीत होती है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की जांच की जा रही है। आग लगने के कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बदमाशों का उद्देश्य केवल दान राशि चोरी करना था तो उसके बाद मंदिर को नुकसान पहुंचाने की क्या आवश्यकता थी। लोगों का मानना है कि चोरी के बाद आगजनी कर सबूत मिटाने या घटना को किसी अन्य दिशा देने का प्रयास किया गया हो सकता है। पुजारी कुमार टेकाम के अनुसार आगजनी में श्रद्धालुओं द्वारा मन्नत स्वरूप बांधकर रखे गए लगभग 300 नारियल, चुनरियां और अन्य पूजन सामग्री जलकर नष्ट हो गई। इससे न केवल मंदिर को नुकसान पहुंचा है बल्कि श्रद्धालुओं की भावनाएं भी आहत हुई हैं। उल्लेखनीय है कि गांगजीराजा मंदिर क्षेत्र का एक प्राचीन और प्रसिद्ध धार्मिक स्थल माना जाता है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं और पूरी होने पर बकरा, मुर्गा की बली के साथ ही साथ नारियल व चुनरी अर्पित करते हैं। ऐसे धार्मिक स्थल में चोरी की घटना और उसके बाद हुए नुकसान से लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि अपराधी अब धर्म और आस्था के स्थानों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने पुलिस से मामले का शीघ्र खुलासा कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

दुलापुर में मनाया जननायक धरती आबा बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र स्थित ग्राम दुलापुर के आखर चौक में 9 जून को समा समुदाय एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में महान जननायक धरती आबा बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस मनाया गया। जिसमें प्रमुख वक्ताओं द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डाला गया। साथ ही अन्य वक्ताओं ने देशहित व आदिवासियों के लिए बिरसा मुंडा जी के कार्यों एवं संघर्षों के बारे में जानकारी दी। बता दे कि भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे आदिवासी प्रणेता और लोकनायक थे जिन्होंने भारत में अपने क्रांतिकारी चिंतन से 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। बिरसा मुंडा द्वारा लोगों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलाने के लिए नेतृत्व प्रदान किया। छोटा नागपुर में 1894 में मानसून के असफल होने के कारण भयंकर अकाल और महामारी फैली हुई थी। बिरसा मुंडा ने

पूरे मनोयोग से अपने लोगों की सेवा की। समय से आगे सोच रखने वाले मुंडा समाज जनों को जो हैजा, चेचक, सांप के काटने, बाघ के खाए जाने को ईश्वर की मर्जी मानते थे उन्हें सिखाते थे कि बीमारियों से कैसे लड़ा जाता है। अपनी इस सेवा के कारण बिरसा मुंडा अपने क्षेत्र में धरती आबा यानि धरती पिता हो गए थे। आदिवासियों के अधिकार, स्वाभिमान, स्वतंत्रता, संस्कृति को बचाने के लिए अबुआ दिशूम-अबुआ राज यानि हमारा देश, हमारा राज का नारा देने वाले लोकनायक बिरसा मुंडा के बलिदान को कभी भुलाया न जा सकेगा। उलगुलान आंदोलन के प्रणेता सच्चे सपूत सदैव हमारे दिलों और विचारों में जिंदा रहेंगे समस्त ग्रामवासियों द्वारा निर्णय लिया गया कि आगामी 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापना एवं जन्मजयंती कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया जावेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम दुलपुर के सरपंच ताराचंद कुचलाहे, सुखदेव बड़गैया, आदिवासी माना समाज दुलापुर के अध्यक्ष ऋषिराम चौके, सचिव संजय धारने, सदस्य सालिकराम नारनौरे, पतिराम वाक?, अतुल हनोते, भावजी नारनौरे, हिरालाल नारनौरे, संजय हनोते, धर्मेंद्र धारने, लोकराम चौके, संतोष धारने, श्यामराज गुर्दे, ऋषिकेश घोरमारे, टूमन लाल घोरमारे, दिनेश धारने, बेनिराम धारने, फागुराम चौधरी, हरिचंद नारनौरे, मातृशक्ति में श्रीमती ललिता धारने, गीता धारने, लता नारनौरे एवं समस्त ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गृहग्राम और ससुराल में नहीं रह सकेंगे पंचायत सचिव

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत सचिवों के स्थानांतरण की जारी की गाइडलाइन

भोपाल । तबादला सीजन के बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत सचिवों के स्थानांतरण को लेकर नई गाइडलाइन जारी कर दी है। नई नीति के तहत अब कोई भी पंचायत सचिव अपने गृहग्राम या ससुराल की पंचायत में पदस्थ नहीं रह सकेगा। इसके साथ ही जिस पंचायत में सचिव के रिश्तेदार सरपंच या उपसरपंच बन जाएंगे, वहां से भी सचिव का तबादला किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के आधार पर यह नई गाइडलाइन जारी की है। विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तय समय सीमा के भीतर स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी कराई जाए। बता दें कि मध्य प्रदेश में 23 हजार से ज्यादा पंचायत सचिव हैं।

जारी आदेश के अनुसार 15 जून तक जिले के भीतर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। स्थानांतरण प्रस्ताव जिला कलेक्टर की अनुशंसा और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक जून से ही मान्य की जाएगी। विभागीय निर्देशों के मुताबिक स्थानांतरण आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। नई गाइडलाइन में जिला एवं अंतरजिला स्तर पर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण की प्रक्रिया भी तय की गई है।

जारी आदेश के अनुसार 15 जून तक जिले के भीतर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। स्थानांतरण प्रस्ताव जिला कलेक्टर की अनुशंसा और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक जून से ही मान्य की जाएगी। विभागीय निर्देशों के मुताबिक स्थानांतरण आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। नई गाइडलाइन में जिला एवं अंतरजिला स्तर पर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण की प्रक्रिया भी तय की गई है। जारी आदेश के अनुसार 15 जून तक जिले के भीतर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। स्थानांतरण प्रस्ताव जिला कलेक्टर की अनुशंसा और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक जून से ही मान्य की जाएगी। विभागीय निर्देशों के मुताबिक स्थानांतरण आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। नई गाइडलाइन में जिला एवं अंतरजिला स्तर पर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण की प्रक्रिया भी तय की गई है।

अंतरजिला संविलियन केवल स्वैच्छिक आधार पर

वहीं आदेश में अंतरजिला संविलियन (ट्रांसफर) को केवल स्वैच्छिक आधार पर अनुमति दी गई है। महिला सचिवों को विशेष सुविधा मिलेगी। इसमें विवाहित, विधवा एवं तलाकशुदा महिला ग्राम पंचायत सचिव अपने पति, ससुराल या माता-पिता के निवास वाले जिले में संविलियन के लिए आवेदन कर सकेंगी। अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त सचिव, यदि उनकी नियुक्ति वाले जिले के अलावा किसी अन्य जिले से संबंध रखते हैं, तो वे भी अपने मूल जिले में संविलियन के लिए आवेदन कर सकेंगे। इच्छुक सचिव को वर्तमान पदस्थापना जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवेदन देना होगा। आवेदन के साथ संबंधित जिले में रिक्त पद की उपलब्धता का सत्यापन किया जाएगा। रिक्त पद उपलब्ध होने पर प्रस्ताव पंचायत राज संचालनालय भोपाल भेजा जाएगा। प्रशासनिक स्वीकृति के बाद संविलियन आदेश जारी किए जाएंगे। संविलियन के बाद सचिव का नाम वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे रखा जाएगा। अंतरजिला संविलियन का लाभ केवल एक बार ही दिया जाएगा।

इन परिस्थितियों में स्थानांतरण होगा अनिवार्य

विभाग ने कुछ मामलों में ग्राम पंचायत सचिवों का स्थानांतरण अनिवार्य किया है, जिनमें इस तरह की परिस्थितियां शामिल हैं। यदि किसी ग्राम पंचायत में सचिव का रिश्तेदार पंचायत का सरपंच या उपसरपंच चुन लिया गया हो। सचिव को उसके पैतृक ग्राम या ससुराल स्थित ग्राम पंचायत में पदस्थ नहीं किया जाएगा। जो सचिव एक ही ग्राम पंचायत में 10 वर्ष या उससे अधिक समय से पदस्थ हैं, उन्हें प्राथमिकता से स्थानांतरित किया जाएगा। यदि 10 साल या अधिक समय से पदस्थ सचिवों की संख्या तबादला लिमिट से अधिक है तो पहले सबसे अधिक अवधि से पदस्थ सचिव का तबादला किया जाएगा।

प्रतिबंध अवधि में भी संभव होगा इनका स्थानांतरण

वहीं स्थानांतरण प्रतिबंध अवधि के दौरान विशेष परिस्थितियों में इन सचिवों के तबादले किए जा सकेंगे। भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता या गंभीर शिकायतों के मामले। अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित होने की स्थिति। लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू अथवा अन्य जांच एजेंसियों की कार्रवाई से जुड़े प्रकरण। उच्च प्राथमिकता वाले प्रशासनिक मामलों में शासन स्तर से प्राप्त निर्देश। ऐसे मामलों में विभागीय मंत्री की स्वीकृति के बाद आयुक्त, संचालक पंचायत राज द्वारा आदेश जारी किए जाएंगे।

12 से 20 प्रतिशत तक हो सकती है वृद्धि

- बस किराए में बढ़ोतरी पर अगले सप्ताह होगी अहम बैठक, बस ऑपरेटरों के प्रतिनिधि भी होंगे शामिल

भोपाल । प्रदेश में सार्वजनिक यात्री बसों के किराए में संभावित बढ़ोतरी को लेकर परिवहन विभाग अगले सप्ताह किराया निर्धारण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करेगा। बैठक में बस किराए से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी और यात्रियों तथा बस संचालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। संभावना जताई जा रही है कि बस किराए में 12 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। परिवहन विभाग ने बताया कि बैठक को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के लिए दो बस ऑपरेटर प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा। इन प्रतिनिधियों की भागीदारी से बस संचालन से जुड़ी जमीनी समस्याओं और सुझावों पर विस्तार से विचार किया जा सकेगा। विभाग का उद्देश्य सभी पक्षों की राय लेकर सर्वसम्मति से जनहितैषी और संतुलित निर्णय लेना है। गौरतलब है कि बस किराया निर्धारण के लिए वर्ष 2010 में एक स्थायी समिति का गठन किया गया था। इस समिति में प्रमुख सचिव परिवहन, आर्थिक सलाहकार वित्त, आयुक्त वाणिज्यिक कर, परिवहन आयुक्त, आयुक्त भोपाल संभाग, राज्य परिवहन उपक्रम के प्रबंध संचालक तथा परिवहन आयुक्त द्वारा नामांकित दो बस ऑपरेटर प्रतिनिधि शामिल होते हैं। अधिकारियों के अनुसार समिति द्वारा किराया निर्धारण से संबंधित सभी पहलुओं का अध्ययन कर निर्णय लिया जाता है, ताकि यात्रियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े और बस संचालकों को भी संचालन में आने वाली लागत के अनुरूप राहत मिल सके। आगामी बैठक में लिए जाने वाले फैसलों पर प्रदेशभर के बस संचालकों और लाखों यात्रियों की नजरें टिकी हुई हैं।

अभी यह है बसों का किराया

अभी बसों का किराया पहले किलोमीटर के लिए सात रुपये और फिर 1.40 रुपये प्रति किलोमीटर है। इसे प्रति किलोमीटर 1.50 रुपये तक किया जा सकता है। बस संचालकों के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में सोमवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों से भेंट की थी। यात्री बसों का किराया इसके पहले वर्ष 2021 में बढ़ाया गया था। बस संचालकों का तर्क है कि इसके बाद से डीजल, टैक्स व अन्य खर्च बढ़े हैं, लेकिन किराया नहीं बढ़ा। वे इसे दो रुपये प्रति किलोमीटर करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि वर्ष 2010 में गठित किराया निर्धारण समिति में प्रमुख सचिव (परिवहन), आर्थिक सलाहकार वित्त, आयुक्त वाणिज्यिक कर और परिवहन आयुक्त, आयुक्त भोपाल संभाग, प्रबंध संचालक राज्य परिवहन उपक्रम और परिवहन आयुक्त द्वारा नामांकित दो बस ऑपरेटर प्रतिनिधि शामिल हैं।

विवाद के बाद भोज विश्वविद्यालय के कुलसचिव की प्रतिनियुक्ति रद्द

भोपाल। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव के रूप में कार्यरत प्रो. सुरेश मंडेरिया की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी है। 8 जून 2026 को जारी आदेश के अनुसार उनकी सेवाएं मूल संस्था जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर को वापस कर दी गई हैं।

प्रो. मंडेरिया को 30 दिसंबर 2023 को विभागीय आदेश के तहत भोज विश्वविद्यालय भेजा गया था। उनकी नियुक्ति को लेकर शुरू से ही विवाद बना हुआ था। उच्च शिक्षा जगत में सहायक प्राध्यापक को विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासनिक पदों में शामिल प्रभारी कुलसचिव का दायित्व सौंपे जाने पर पात्रता और नियमों को लेकर सवाल उठाए गए थे।

नए जिलों को मिलेगा पंचायत राज का अधिकार

मऊगंज, पांढुर्ना और मैहर में पहली बार होंगे जिला पंचायत चुनाव, चुने जाएंगे अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव-2023 से पहले बनाए गए तीन नए जिले अब पंचायत राज व्यवस्था की पूर्ण संरचना की ओर बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार ने मऊगंज, पांढुर्ना और मैहर में जिला पंचायत गठन को मंजूरी देते हुए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही अगले वर्ष प्रस्तावित पंचायत चुनावों में इन जिलों में पहली बार जिला पंचायत और जनपद पंचायत के चुनाव कराए जाएंगे। चुनाव के बाद यहां जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी चुने जाएंगे।

मऊगंज 15 अगस्त 2023 को रीवा से अलग होकर प्रदेश का 53वां जिला बना था, जबकि पांढुर्ना और मैहर 5 अक्टूबर 2023 को क्रमशः छिंदवाड़ा और सतना से अलग होकर 54वें और 55वें जिले के रूप में अस्तित्व में आए थे। जिला बनने के बावजूद यहां के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अब तक प्रशासनिक और विकास कार्यों के लिए पुराने जिलों की जिला पंचायतों पर निर्भर थे। मऊगंज जिले का पंचायत संबंधी काम रीवा जिला पंचायत, मैहर का सतना जिला पंचायत और पांढुर्ना का कार्य छिंदवाड़ा जिला पंचायत के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। अब अलग जिला पंचायत कार्यालय स्थापित होने के साथ इन जिलों को स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं के संचालन में अधिक स्वायत्तता मिलेगी।

पुनर्सीमांकन और आरक्षण प्रक्रिया बनी देरी की वजह

नवगठित जिलों में जिला पंचायत गठन की प्रक्रिया अपेक्षा से अधिक समय लेने का प्रमुख कारण पुनर्सीमांकन और आरक्षण निर्धारण रहा। नए जिले बनने के बाद ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों और जिला पंचायत क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना पड़ता है। साथ ही यह तय करना होता है कि कौन-सी ग्राम पंचायत किस जनपद और जिला पंचायत के अंतर्गत आएगी। इसके अलावा जिला पंचायत और जनपद पंचायत वार्डों का गठन, आरक्षण रोस्टर तैयार करना तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करने में भी लंबा समय लगा। राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों की तैयारियों में जुटा है। आयोग 18 जुलाई को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करेगा। इसके बाद नए जिलों में जिला पंचायत गठन के लिए चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। आयोग एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर अंतिम मतदाता सूची भी तैयार करेगा, ताकि दिसंबर 2027 से पहले प्रस्तावित पंचायत चुनावों में मऊगंज, पांढुर्ना और मैहर की जिला पंचायतों के लिए पहली बार मतदान कराया जा सके।

कांग्रेस विधायक विपिन जैन सडक़ हादसे में घायल

- 74 बंगला क्षेत्र में ऑटो से हुई टक्कर, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह लेकर पहुंचे अस्पताल

भोपाल। भोपाल में कांग्रेस विधायक विपिन जैन सडक़ हादसे में घायल हो गए। हादसा 74 बंगला क्षेत्र में उस समय हुआ जब वे अपने सरकारी निवास से कांग्रेस कार्यालय के लिए रवाना हुए थे। दुर्घटना में विधायक के साथ उनके पीएसओ को भी चोटें आई हैं। विधायक को टांके लगाए गए हैं और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। भोपाल के वीआईपी इलाके 74 बंगला में कांग्रेस विधायक विपिन जैन का वाहन हादसे का शिकार हो गया। जानकारी के अनुसार विधायक अपने सरकारी निवास से कांग्रेस कार्यालय जाने के लिए निकले थे, तभी एक ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और हादसा हो गया।

इस दुर्घटना में विधायक विपिन जैन को चोटें आई हैं। उनके शरीर पर गंभीर चोट लगने के कारण चिकित्सकों ने टांके लगाए हैं। हादसे में विधायक के साथ मौजूद उनके पीएसओ को भी चोट आई है.इस दुर्घटना में विधायक विपिन जैन को चोटें आई हैं। उनके शरीर पर गंभीर चोट लगने के कारण चिकित्सकों ने टांके लगाए हैं। हादसे में विधायक के साथ मौजूद उनके पीएसओ को भी चोट आई है। पूर्व मंत्री और विधायक जयवर्धन सिंह ने घायल विपिन जैन को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में खुद मौजूद रहकर उन्होंने विपिन जैन का इलाज कराया। मीनाक्षी नटराजन के नामांकन निरस्त होने के खिलाफ चुनाव आयोग के सामने धरने पर कांग्रेस विधायक जा रहे थे, इसी बीच हादसे का शिकार हो गए। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। राहत की बात यह है कि दुर्घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और विधायक खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। 74 बंगला क्षेत्र में हुए इस हादसे के बाद विधायक विपिन जैन और उनके पीएसओ का उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत स्थिर है और जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद है।

34 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून की दस्तक से पहले छतरपुर और छिंदवाड़ा में लू चली। बुधवार को छतरपुर जिले के खजुराहो का पारा 45.0 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा, वहीं नौगांव में भी पारा 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। छिंदवाड़ा में दिन का तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक यानी 40.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जिससे लोग लू के थपेड़ों से बेहाल रहे। प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में अधिकतम तापमान 34.0 से 43.6 डिग्री और पूर्वी क्षेत्रों में 39.0 से 45.0 डिग्री के बीच दर्ज किया गया।

खेतों में डीएपी की जगह एनपीके डालेंगे किसान

- खाड़ी देश में युद्ध से खाद का आयात रूका

भोपाल । मध्य प्रदेश में पिछले 3 सालों से खाद के संकट से जूझ रहे किसानों को अब अपने खेतों में डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद डालना पड़ेगा, क्योंकि इरान-इजरायल युद्ध के चलते खाड़ी देशों से डीएपी आयात नहीं हो रहा है। यही वजह है कि राज्य सरकार ने इस स्थिति को स्वीकारते हुए अब किसानों को डीएपी की जगह एनपीके खाद का विकल्प दिया है।

इधर किसानों की परेशानी यह है कि डीएपी का उपयोग फसल को शुरुआती ताकत देने के लिए किया जाता है। जबकी एनपीके का उपयोग फसल के ऊग जाने के बाद उसके तने और पत्तियों की वृद्धि के लिए होता है। इस स्थिति को लेकर किसान परेशान है कि यदि डीएपी नहीं होने के कारण जब अंकुरण के दौरान ही फसल को खाद नहीं मिलेगी, तो एनपीके का उपयोग का क्या औचित्य रह जाएगा।

डीएपी और एनपीके दोनों ही भारतीय फसलों के लिए प्रमुख रासायनिक उर्वरक हैं। डीएपी में मुख्य रूप से 18 प्रतिशत नाइट्रोजन और 46 प्रतिशत फास्फोरस होता है, लेकिन इसमें पोटाश नहीं होता, जबकि यह रासायनिक खाद मुख्य रूप से फसल की बुवाई के समय डाला जाता है। जिससे की पौधों का शुरुआती विकास हो सके। यह खाद्य पौधों को शुरुआती ताकत और फूलों और फलों के विकास में सहायक माना जाता है। जबकि एनपीके में नाइट्रोजन फास्फोरस के साथ पोटाश भी होता है, जो लगभग बराबर मात्रा में होता है। इसका उपयोग पौधों के ऊग जाने के बाद उसके संपूर्ण विकास पत्तियों की वृद्धि और तानों की मजबूती के अलावा उपज की गुणवत्ता के लिए होता है।

नकली खाद बीज विक्रेताओं के खिलाफ होगी एफआईआर

कृषि विभाग सचिव निशांत वरवड़े ने बताया कि मध्य प्रदेश में अब अमानक उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई होगी। इस मामले में अब सीधे एफआईआर करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा ऐसे हितग्राही, जो आवश्यकता से अधिक उर्वरक प्राप्त कर रहा है, उसे लेकर यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उसके द्वारा खाद का इस्तेमाल खेती के लिए ही किया जा रहा है।

मप्र में कांग्रेस अपनी पार्टी को मजबूत करने युवाओं को जोडऩे में जुटी

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस अपनी पकड़ को मजबूत करने के लिए संघर्ष कर रही है। वर्तमान में प्रदेश के 230 विधानसभा में से मात्र 64 सीटों पर कांग्रेस के विधायक हैं। वहीं, कुल 29 संसदीय क्षेत्र पर बीजेपी का कब्जा है और कांग्रेस जीरो पर पहुंच गई है। एक दौर था जब लंबे समय तक मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन अब पार्टी को यहां फिर जीरो से ही शुरू करन पड़ रहा है। इसके लिए कांग्रेस मध्य प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर सोशल मीडिया वॉरियर की फौज तैयार कर रही है।

भारत की अर्थव्यवस्था और रोजगार के विषय पर आज के युवाओं की कड़ी नजर है। युवा अपनी मांग को लेकर देशभर में आवाजें बुलंद कर रहा है। बीते दिन 6 जून को सोशल मीडिया से शुरू हुई एक आवाज दिल्ली तक पहुंची और कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में युवाओं ने जंतर-मंतर में प्रदर्शन किया। इसको देखते हुए कहीं न कहीं हर राजनीतिक पार्टी युवाओं को अपने दल से जोडऩा चाह रही है। कांग्रेस ने इसके लिए बूथ लेवल पर सोशल मीडिया वॉरियर की फौज तैयार करने में जुट गई है। जिसके लिए पंचायत से लेकर लोकसभा स्तर तक प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इंदौर में भी इस अभियान की शुरुआत की गई है।

पार्टी को मजबूत करने कांग्रेस के अभियान

मध्य प्रदेश में जमीनी स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करने के लिए पार्टी कई प्रोजेक्ट चला रही है। जिसमें मुख्य रूप से संगठन सृजन अभियान, हर बूथ मजबूत, गांव चलो अभियान, कॉलेज स्तर पर सदस्यता अभियान और सोशल मीडिया वॉरियर अभियान शामिल हैं। संगठन विस्तार और युवाओं के बीच अपनी पकड़ को नए सिरे से बनाने के लिए कांग्रेस अब सोशल मीडिया वॉरियर अभियान चला रही है। जिसके जरिए युवाओं को कांग्रेस संगठन से जुडऩे का सीधा, खुला और सरल अवसर प्रदान किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को वर्तमान राजनीतिक संघर्ष में सकारात्मक भूमिका निभाने का मंच उपलब्ध कराना है।

इच्छुक लोगों को मिलेगा समान अवसर

सोशल मीडिया वॉरियर अभियान की जानकारी देते हुए कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने बताया कि यह अभियान विशेष रूप से राइटर, डिजाइनर, एडिटर्स, कार्टूनिस्ट, कवि, गजलकार, ऑथर्स, ब्लॉगर्स, मोटिवेशनल स्पीकर्स, सोशल वर्कर्स, लोक कला और पत्रकारों को कांग्रेस की विचारधारा से जोडऩे का माध्यम बनेगा। इसके जरिए संगठन में रहकर या परोक्ष रूप से कांग्रेस के लिए कार्य करने के इच्छुक लोगों को समान अवसर प्रदान किए जाएंगे।

सोशल मीडिया के जरिए पार्टी में मिलेगा सक्रिय भूमिका

सोशल मीडिया सेल के प्रदेश प्रभारी अविरल जैन ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा से नई पीढ़ी के युवाओं को तलाश कर संगठन से जोडऩे का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही महिला वर्ग को भी सोशल मीडिया के माध्यम से सक्रिय भूमिका निभाने और संगठन को सहयोग प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

संवाद का मंच उपलब्ध कराएगी पार्टी

चिंटू चौकसे ने कहा कि मीडिया जगत से जुड़े फ्रीलांस पत्रकारों, न्यूज एंकरों और इंडिपेंडेंट रिपोर्टर्स को भी एक सीधा संवाद मंच उपलब्ध कराया जाएगा। जिससे वे जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने ला सकें। अभियान के माध्यम से कांग्रेस, जनता के साथ अपने संवाद और पब्लिक कम्युनिकेशन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने का प्रयास करेगी।

कॉलेज स्तर पर सदस्यता अभियान

कॉलेजों में छात्रों को पार्टी की रीति-नीति से जोडऩे के लिए जमीनी स्तर पर सदस्यता अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन को मजबूत करने के लिए काफी लंबे समय के बाद (11 साल) प्रदेश के कॉलेजों में छात्र संगठन के चुनाव भी आयोजित कराए जा रहे हैं। एजुकेशन, नीट और पेपर लीक जैसे मुद्दों लेकर कांग्रेस, युवाओं को पार्टी से जोड़ेगी। पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में 40त्र युवा वोटर्स को लक्षित करने के लिए कॉलेज स्तरीय सदस्यता अभियानों की विशेष रणनीति लागू की गई है। कांग्रेस पिछले चुनावों में जहां मामूली अंतर से हारी थी, उन सीटों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हर बूथ मजबूत अभियान चला रही है।

इंदौर में 1400 करोड़ रुपये का घोटाला... बैंक घोटाला मामले में नितिन कसलीवाल का 60 करोड़ का बंगला कुर्क

इंदौर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1,400 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में एस कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड (एसकेएनएल) का अलीबाग के समीप मुरुड, रायगढ़ स्थित बंगला कुर्क किया है। इसका बाजार मूल्य 60 करोड़ रुपये से अधिक है। यह बंगला एसकेएनएल के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नितिन कसलीवाल के स्वामित्व का है। ईडी इससे पहले इस मामले में लंदन में बकिंघम पैलेस के समीप स्थित लगभग 119.55 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति को भी कुर्क कर चुकी है। इस मामले में अब तक लगभग 179.55 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क किया जा चुका है। ईडी की जांच में यह बात सामने आई कि एसकेएनएल के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नितिन शंभुकुमार कसलीवाल ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नियंत्रण वाली परस्पर जुड़ी संस्थाओं तथा समूह कंपनियों के नेटवर्क का उपयोग कर धन का दुरुपयोग और लेयरिंग की, जबकि एसकेएनएल ने बैंकों के कंसोर्टियम से ऋण सुविधा प्राप्त की हुई थी। एसकेएनएल से डायवर्ट किए गए धन का उपयोग मुरुड, रायगढ़ में अलीबाग के निकट स्थित संपत्ति के अधिग्रहण में किया गया। जांच में यह बात भी सामने आई कि यह संपत्ति सीधे तौर पर अपराध से अर्जित आय से खरीदी गई थी, जो 1,400 करोड़ रुपये के एसकेएनएल बैंक धोखाधड़ी मामले से ही संबंधित है।

छिंदवाड़ा के सांसद की मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मांग

शुरु कराएं पॉवर प्लांट या लौटाएं किसानों को जमीन

भोपाल । छिन्दवाड़ा के चौसरा गांव में पावर प्लांट बनाने के लिए निजी समूह को दी गई 1200 एकड़ जमीन पर जल्द से जल्द निर्माण काम शुरू किया जाए या फिर वह जमीन किसानों को वापस दे दी जाए इस बात को लेकर छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भोपाल पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान सांसद ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बताया है कि चौसरा में निजी समूह को कई साल पहले ली गई 1200 एकड़ जमीन आवंटित की गई है जो कि वर्तमान तक ज्यों की त्यों ही बिना उपयोग के पड़ी हुई है।

भोपाल में छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान सांसद ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बताया है कि 1200 एकड़ जमीन आज भी खाली और बिना उपयोग के पड़ी हुई। सांसद ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निवेदन किया है कि चौंसरा की भूमि में शीघ्र से शीघ्र उद्योग स्थापित किया जाए जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और अगर ऐसा संभव नहीं है तो किसानों को उनकी जमीन वापस कर दी जाए। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

छिंदवाड़ा प्लस में उद्योग और यूनिवर्सिटी के निर्माण की भी चर्चा

सांसद ने बंटी विवेक साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करते हुए सौंसर में मेसर्स छिंदवाड़ा प्लस डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड को 770.452 हेक्टेयर आवंटित भूमि को लेकर भी चर्चा की है। सांसद ने मुख्यमंत्री को बताया कि मेसर्स छिंदवाड़ा प्लस डेवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड को आवंटित भूमि में वर्तमान तक किसी प्रकार का उद्योग स्थापित नहीं किया गया है, उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निवेदन किया है कि उस आवंटित भूमि में भी जल्द से जल्द उद्योगों की स्थापना की जाए जिससे की क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज बने

मुम्बई । युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्वक के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछें हैं।

गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्टीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्टीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह

कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं।

इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकॉर्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं।

रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े। इस सूची में पांचवें भारतीय नाम चेतेश्वर पुजारा का है, जिनकी 130 मैचों की 127 पारियों में 57.01 की औसत से 5759 रन हैं, जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

फीफा विश्वकप से इन खिलाड़ियों को भी मिल सकती है नई पहचान

सेन डियागो। अमेरिका कनाडा और मैक्सिकों में गुरुवार से शुरु हो रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल टूर्नामेंट में लियोनन मेसी, क्रिस्टीयोनो रोनाल्डो और कैलियन एमबापे जैसे खिलाड़ियों के बीच ही ये पांच उभरते फुटबॉलर भी स्टार खिलाड़ी के तौर पर विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। ऐसे में विश्वकप में किये प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों को दुनिया भर में पहचान मिलने के साथ ही इनकी ब्रांड वैल्यू में भी बदलाव आ सकता है।

एंड्रिक (ब्राजील, उम्र 19) - एंड्रिक ब्राजील के उभरते स्टार फुटबॉलर हैं। विश्व कप उन्हें दक्षिण अमेरिका से बाहर भी घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनने का मौका देता है।

लैमिन यमल (स्पेन, उम्र 18) - यम स्पेनिश फुटबॉल के प्रतिभाशाली सितारों में से एक हैं। एक शानदार विश्व कप उन्हें 'बैलन डी 'ओर की चर्चा में तेजी से आगे ला सकता है। इतने कम उम्र के खिलाड़ी के लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है।

वॉरेन जायर-एमरी (फ्रांस, उम्र 20) - फ्रांस का अगला मिडफ़ील्ड लीडर, जो ऐसे टूर्नामेंट में आ रहा है जहां जगह बनाने के लिए मुकाबला पहले से कहीं ज्यादा कठि है।

फ्रेंको मास्टंटुओनो (अर्जेंटीना, उम्र 18) - फ्रेंकोटूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक और अर्जेंटीना के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

सैंटियागो जिमेनेज (मेक्सिको, उम्र 25)- सैंटियागो मेजबान देश मेक्सिको की टीम की कमानी संभाल रहे हैं, और इस विश्वकप से उनके पास मैक्सिकन फुटबॉल का सितारा बनने का अवसर है। इसका कारण कहै कि विश्व में कुछ ही ससाफ के अच्छे प्रदर्शन से फुटबॉल खिलाड़ियों का करियर बदल जाता है। ऐसे में इस फीफा विश्वप से 2026 इनके पास भी बेहतर प्रदर्शन कर स्टार बनने का अवसर है।

धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेश्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए। साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए। इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं। 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकाकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं। ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारियां खेलीं है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग – हैरी ब्रूक नंबर वन, शुभमन गिल टॉप–10 में शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही साथ ही खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जो रूट को पीछे छोड़ा है। रुट अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जिससे उन्होंने शीर्ष 10 में अपनी जगह और मजबूत की है।

ब्रूक ने यह शानदार उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में हासिल की, जहाँ इंग्लैंड ने 115 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले की पहली पारी में ब्रूक ने महत्वपूर्ण 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं रूट को लॉर्ड्स टेस्ट खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। वह इस मैच में एक और आठ रन ही बना सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, रूट दो स्थान खिसककर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम के शुभमन ने रैंकिंग में अच्छी छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद शुभमन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए हैं। रैंकिंग में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह छठे पायदान पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें स्थान पर कायम हैं। भारत के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं, वहीं श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल एक पायदान ऊपर चढ़कर दसवें स्थान पर पहुँच गए हैं।

इंग्लैंड के कोच टुचेल को अपनी टीम के फीफा विश्ककप जीतने की उम्मीद नहीं

न्यूयॉर्क । इंग्लैंड फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस टुचेल का मानना है कि उनकी टीम के फीफा विश्वकप जीतने की अधिक संभवना नहीं है। इसका कारण है कि पिछले काफी समय से उनकी टीम ने कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। कोच के अनुसार उनकी टीम को पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अपना प्रदर्शन सुधारना होगा। तभी वह विश्वकप जैसे टूर्नामेंट में बड़ी दावेदार बनकर उभर सकती है। उन्होंने ये बात कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी वॉर्म-अप मैच से पहले कही। वहीं पहले अभ्यास मैच में टीम ने न्यूजीलैंड को 1-0 से हराया था पर उसका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं था। इसी कारण कोच को टीम के विश्वकप में सफल होने की उम्मीद नहीं है। टुचेल ने कहा कि इस बार उनकी टीम उस स्थिति में नहीं है कि वह बड़े दावे कर सकें। उन्होंने कहा कि अभी के समय में विश्व फुटबॉल में ऐसी कई टीमें हैं जिन्होंने बड़े टूर्नामेंट जीते हैं और उनका रिकार्ड इंग्लैंड से कहीं अच्छा

है। टुचेल ने स्पष्ट किया कि उनकी टीम बड़े सपने जरूर देखती है और खिताब जीतने का हर संभव प्रयास करेगी पर उनका अभी केवल बेहतर प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का पूरा ध्यान कड़ी मेहनत, पुख्ता तैयारी और मैदान पर निरंतर श्रेष्ठता बनाए रखने पर केंद्रित है। सा ही कहा कि केवल दावेदार कहलाने से कोई टीम चैंपियन नहीं बन जाती, बल्कि उसके लिए हर मैच में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि हैरी केन टीम के कप्तान बने रहेंगे और इस भूमिका में कोई बदलाव नहीं होगा। वहीं डेक्लान राइस को उपकप्तान बनाया गया है। टुचेल ने बताया कि यह फैसला काफी पहले कर लिया गया था, क्योंकि राइस मैदान पर टीम को प्रभावी ढंग से संभालते हैं और उनकी खेल की समझ काफी अच्छ है।

फिलहाल, इंग्लैंड के कैंप का माहौल शांत और सकारात्मक बना हुआ है। हालांकि, टुचेल ने स्वीकार किया कि जैसे-जैसे टूर्नामेंट करीब आएगा, खिलाड़ियों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि टीम मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को इस चुनौती के लिए तैयार कर रही है। इंग्लैंड अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले से करेगा, जिस पर दुनियाभर के फुटबॉल प्रशंसकों की निगाहें टिकी रहेंगी।

बांग्लादेश ने 21 साल बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच जीता

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम को यहां खेले गये पहले ही एकदिवीसीय क्रिकेट मैच में 86 रनों से हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस प्रकार बांग्लादेश टीम ने एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में 21 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पर जीत हासिल की है। इससे पहले उसे अंतिम बार जीत साल 2005 में मिली थी। बारिश की बाधा के बीच ही मेजबान बांग्लादेश टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला डकवर्थ लुइस नियम से जीता। इस प्रकार ये जीत बांग्लादेश क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीत साबित हुई है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश ने कई साल से ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार के सिलसिले को तोड़ दिया।

गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच अब तक खेले गए 23 एकदिवसीय मुकाबलों में यह बांग्लादेश की अब तक की दूसरी जीत है। इससे पहले, 2005 में कार्डिफ में नेटवेस्ट ट्रॉफी के दौरान बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान जोश इंग्लिस ने टॉस जीतकर । बांग्लादेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 284 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नैथन एलिस ने 3 विकेट जबकि लियाम स्कॉट और मैट रेनशॉ ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रियाई टीम 42.2 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 191 रन ही बना सके। इसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया, और डीएलएस नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रनों से विजयी घोषित कर दिया गया।

फरहान की कप्तानी में 2026 एशियाई खेलों में उतरेगी पाकिस्तान टीम

बाबर, रिजवान सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

लाहौर । युवा बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों में उतरेगी। एशियाई खेल जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन खेलों के लिए अपनी जो 15 सदस्यी टीम घोषित की है। उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी और कप्तान सलमान अली आगा को शामिल नहीं किया गया है। इस प्रकार देखा जाये तो टीम में अधिकतर नये खिलाड़ी हैं। इसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। चार खिलाड़ियों ने तो अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तक नहीं किया है। फरहान को टी20 विश्व कप 2026 में अच्छे प्रदर्शन के कारण कप्तानी दी गयी है।

बोर्ड ने बड़े खिलाड़ियों को बाहर क्यों रखा है इसका कोई कारण अभी तक सामने आया है। जापान के आइची प्रीफेक्चर में स्थित कोरोगी एथलेटिक पार्क में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स का आयोजन होगा, जिसमें पुरुषों का टी20आई क्रिकेट इवेंट 24 सितंबर से शुरू होगा और मेडल मैच 3 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

फरहान ने पाकिस्तान के लिए 46 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं, पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले अब्दुल समद को उप-कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा आकिफ जावेद, अली रजा, माज सदाकत और साद मसूद वे चार खिलाड़ी हैं जिन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है।

टीम इस प्रकार है- साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उप-कप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सैम अयूब, सुफयान मुकीम और उस्मान खान (विकेट-कीपर)।

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉर्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है। इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लॉर्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही। पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था।

वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराशा हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को अगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

चार्ली डीन सहित ये गेंदबाज साबित हो सकती हैं ट्रंप कार्ड

लंदन। 12 जून से इंग्लैंड में खेले जाने वाले महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। विश्वकप के 10वां संस्करण में भाग ले रही मेजबान इंग्लैंड सहित सभी टीमें खिताबी जीत के इरादे से उतरेंगी। टूर्नामेंट का पहला मैच इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होगा। इस टूर्नामेंट में शामिल सभी टीमों के पास काफी अच्छी खिलाड़ी हैं पर इस टूर्नामेंट में कई ऐसी गेंदबाज हैं जिनका सामना करना विरोधी टीमों के लिए आसान नहीं रहेगा। इसमें मेजबान टीम की चार्ली डीन सहित पांच गेंदबाज शामिल हैं।

चार्ली डीन = इंग्लैंड की स्पिनर चार्ली डीन की टर्न होती गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए काफी कठिन होगा। 51 टी20 मुकाबलों में 67 विकेट इस गेंदबाज के नाम हैं। उनका इकोनॉमी रेट 6.90 की रही है, जो दिखाता है कि विकेट लेने के साथ-साथ रनों पर अंकुश लगाने की उनकी क्षमता काफी अच्छी है। इस विश्व कप में उनका प्रदर्शन इंग्लैंड के लिए बेहद अहम रखेगा, क्योंकि उनकी स्पिन गेंदबाजी मध्य ओवरों में निर्णायक साबित हो सकती है।

एनाबेल सदरलैंड =

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड का प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में भी काफी अच्छा रहा है। पिछले टी20 विश्व कप में उन्होंने 15 विकेट लिए थे और वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी थीं। अपने 85 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में सदरलैंड के नाम 53 विकेट हैं। सदरलैंड न केवल अपनी तेज गेंदबाजी से कहर बरपाती हैं, बल्कि बल्ले से भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान करती हैं।

दीप्ति शर्मा = भारतीय टीम की गेंदबाज दीप्ति शर्मा बड़े मुकाबलों काफी अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी हैं। अपने 144 टी20 मुकाबलों के लंबे करियर में इस गेंदबाज के नाम 64 विकेट हैं। दीप्ति बीच के ओवरों में विपक्षी टीम की साझेदारी तोड़ने और मैच का रुख मोड़ने के लिए जानी जाती हैं। गेंदबाज के साथ ही वह निचले क्रम पर एक अच्छी बल्लेबाज भी हैं।

शबनम इस्माइल – रिटायरमेंट से वापस लौटने वाली दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल टी20 विश्व कप में अपनी टीम के लिए फायदमंद साबित हो सकती हैं। इस्माइल अपनी रफ्तार और गति के बल पर शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। उनकी तेज गति के साथ-साथ हवा में स्विंग करती हुई गेंदें किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर सकती हैं।

अमेलिया केर - न्यूजीलैंड टीम की कप्तान अमेलिया केर पर भी सभी की नजरें रहेंगी। उनके लिए यह साल काफी अच्छा गुजरा है। इस साल 11 मुकाबलों में उन्होंने 6.02 की इकोनॉमी से 11 विकेट लिए हैं। अपनी लेग स्पिन से वह कीवी टीम के लिए इस टी20 विश्व कप में अंतर पैदा कर सकती हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में किसी भी भूमिका को निभाने तैयार हैं इबानेज

सेन डियागो। ब्राजील फुटबॉल टीम में शामिल डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा वह फीफा विश्व कप 2026 में राइट-बैक सहित किसी भी जगह पर खेलने के लिए भी तैयार हैं। वेस्ली फ्रैंका के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल इबानेज आम तौर पर सेंटर-बैक के तौर पर खेलते हैं पर अब टीम की जरुरतों के अनुसार दूसरी जिम्मेदारी भी निभाने को तैयार हैं। इबानेज के अनुसार देश की ओर से खेलना सबसे बड़ी बात है। इसलिए वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह कि टीम की जरुरत को सबसे आगे मानते हैं और

उनको जो भी भूमिका दी जाएगी उसे निभा सकते हैं। ।

वहीं अभ्यास मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए वेस्ली के बाद टीम में राइट-बैक के तौर पर किसे उतारा जाये ये सबसे बड़ा सवाल बना है। अनुभवी और भरोसेमंद खिलाड़ी डैनिलो को इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार माना जा रहा है पर अब इबानेज भी एक प्रभावी विकल्प तौर पर सामने आए हैं, जिन पर चयनकर्ता गंभीरता से विचार कर सकते हैं। इस मामले को लेकर इबानेज ने कहा, मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात और सम्मान का विषय है। यह बयान टीम के प्रति उनके गहरे समर्पण को दिखाता है। सऊदी अरब के क्लब अल अहली से जुड़ें इबानेज ने टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी डैनिलो की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि डैनिलो युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें खेल की बारीकियों को समझाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। उनके विशाल अनुभव से टीम को एक अलग मजबूती मिलती है।

फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेन्टीना ने आइसलैंड को हराया

अलबामा। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेन्टीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्तान मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया। मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा।

जिले में दिख रही प्री मानसून की आहट, आंधी तूफान के साथ आधा घण्टा हुई झमाझम बारिश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अब प्री मानसून की आहट नजर आने लगी है। 5 जून के बाद बुधवार 10 जून को बारिश होने के बाद तेज गर्मी से राहत मिली। जहा दोपहर करीब 3 बजे के आसपास नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में मौसम में अचानक से बदलाव देखा गया।जहा तेज आंधी तूफान के साथ नगर में करीब आधा घण्टा झमाझम बारिश देखने को मिली। जून माह की तपती दोपहर और तेज धूप के बीच हुई इस बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने वातावरण को सुहाना बना दिया,उधर मौसम भी अचानक से शुष्क हो गया।जहां पूरा दिन शुष्क मौसम के साथ हल्की ठंडी हवाएं बहती रही।जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

आंधी तूफान में गिरे पेड़, उखड़ा पंडाल तो हवा में उड़े शेड

बुधवार को दोपहर बारिश से पहले तेज हवाओं के कारण, जगह-जगह पेड़ भी गिरे है।जहा अस्पताल के सामने और शासकीय आवासो में लगे पेड़ो के गिरने से दुकान, वाहन और बाउंड्रीवाल को नुकसान पहुंचा है। जबकि काली पुतली चौक में कांग्रेस के धरना प्रदर्शन के लिए लगाया गया पंडाल गिर गया। हालांकि यह अच्छा रहा कि इससे पूर्व ही कांग्रेस का धरना आंदोलन खत्म हो गया था। वहीं एक हॉटल की भी प्लास्टिक छत उड़ गई।

सप्ताह भर हल्की से मध्य के बीच बारिश के संकेत

मौसम में आए इस अचानक बदलाव के बीच बुधवार की दोपहर मौसम ने करवट ली और नीले आसमान को काले घने बादलो ने घेरना शुरू कर दिया।उधर तेज रफ्तार से चली हवाओ व आंधी तूफान के बीच, कुछ ही देर में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई, और देखते ही देखते झमाझम बारिश शुरू हो गई जिसने गर्मी से बेहाल लोगों को राहत पहुंचाई।हालांकि बारिश अधिक देर तक नहीं हुई, लेकिन आधे घण्टे की इस बारिश से तापमान में भारी गिरावट देखी गई और वातावरण में ठंडक घुल गई। दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए।मौसम में आए इसी बदलाव के बीच बुधवार को नगर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियत दर्ज किया गया।तो वही न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियत के आसपास रहा।उधर मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, तापमान में उतार चढ़ाव रहने के साथ साथ सप्ताह भर हल्की से मध्य के बीच बारिश के संकेत दिए है।

किसानों के लिए वरदान साबित हो रही बारिश

किसानों के अनुसार जून माह में होने वाली ऐसी वर्षा खरीफ फसलों की तैयारी कर रहे किसानों के लिए भी लाभदायक होती है। बारिश से खेतों की नमी बढ़ती है और किसानों को आगामी बुवाई कार्यों की तैयारी में सहूलियत मिलती है। हालांकि किसानों का कहना है कि अच्छी बारिश का इंतजार अभी भी बना हुआ है, लेकिन मौसम में आए इस बदलाव ने उनकी उम्मीद जरूर जगा दी है।बुधवार को हुई यह बारिश जुताई के लिए फायदेमंद साबित हो रही है और किसानो ने खेतों की जुताई का कार्य तेज कर दिया है।

भीषण गर्मी से मिली राहत

उधर लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा था और दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही थी। ऐसे में इस बारिश और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुखद बना दिया है।वहीं आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है वही कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना बनी हुई है।फिलहाल बुधवार को हुई बारिश ने भीषण गर्मी के बीच राहत की फुहार बनकर लोगों को सुकून पहुंचाया है।नगर के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश के बाद सड़कों और बाजारों का माहौल भी बदल गया।जहां दोपहर तक गर्मी के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर थे, वहीं बारिश के बाद बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ गई।कुल मिलाकर कहें तो इस हल्की बारिश और सुहाने मौसम से लोगों को बड़ी राहत मिली है।

4 दिनों तक कुछ ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से मिले 5 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान को लेकर बताया कि जिले में आज 10 जून से 14 जून तक की अवधि में मध्यम बादल, हल्की वर्षा, बिजली गिरने और आंधी तूफान के साथ हवा की गति लगभग 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा चलने की संभावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेलिसियस तथा न्यूयनतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेलिसियस तथा सुबह हवा में 58 से 60 प्रतिशत तथा दोपहर में 43 से 45 प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग 6 से 7 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण दिशा में चलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय ब्रिक्स कृषि सम्मेलन में चमका बालाघाट का गौरव, आकर्षण का केंद्र बना बालाघाट चिन्नौर चावल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इंदौर के ग्रैंड शेरटन होटल में 9 से 13 जून 2026 तक आयोजित प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय ब्रिक्स कृषि सम्मेलन के अंतर्गत ग्रामीण हाट बाजार में आयोजित विशेष कृषि उत्पाद प्रदर्शनी में बालाघाट जिले का गौरवशाली उत्पाद बालाघाट चिन्नौर चावल आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर जिले की कृषि विरासत और विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से विशेष सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

मध्यप्रदेश का प्रथम जीआई टैग प्राप्त तथा 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत चयनित बालाघाट चिन्नौर चावल के लिए प्रदर्शनी में विशेष स्टॉल स्थापित किया गया है। स्टॉल पर चिन्नौर चावल की उत्कृष्ट गुणवत्ता, विशिष्ट सुगंध, बेहतरीन स्वाद, पारंपरिक उत्पादन पद्धतियों और अंतर्राष्ट्रीय विपणन संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जा रहा है।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, बालाघाट श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि प्रदर्शनी में चिन्नौर चावल के उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन से संबंधित विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदर्शनी का संचालन कृषि विस्तार अधिकारी मानसी मेरावी एवं भोजलाल माने, संचालक, लालबर्रा चिन्नौर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, लालबर्रा द्वारा किया जा रहा है।

ब्रिक्स देशों के इस वैश्विक सम्मेलन में बालाघाट की सहभागिता जिले के किसानों और कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाली साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मंच के माध्यम से बालाघाट चिन्नौर चावल को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिलेगी तथा इसके निर्यात और विपणन के अवसरों में वृद्धि होगी। यह उपलब्धि न केवल बालाघाट जिले बल्कि पूरे मध्यप्रदेश की कृषि समृद्धि और स्थानीय उत्पादों की वैश्विक स्वीकार्यता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नगर परिषद बैहर में जनकल्याण शिविर आयोजित

एसडीएम अर्पित गुप्ता ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 10 जून बुधवार को नगर परिषद बैहर परिसर में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

शिविर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अर्पित गुप्ता ने उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित प्राप्त आवेदनों का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनकल्याण शिविर में राजस्व, नगर परिषद, सामाजिक न्याय, खाद्य, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी नागरिकों को प्रदान की गई। शिविर के दौरान नागरिकों ने पेयजल, स्वच्छता, राजस्व प्रकरणों, पात्रता पर्ची, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत तथा अन्य जनसुविधाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ करने का आश्वासन दिया। एसडीएम अर्पित गुप्ता ने कहा कि जनकल्याण शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान उनके निकट पहुंचकर करना है, ताकि उन्हें विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से उपलब्ध कराया जाए।

नवीन विश्वेश्वरैया भवन में संचालित होंगे 09 शासकीय कार्यालय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में शासकीय कार्यालयों को बेहतर अधोसंरचना एवं नागरिकों को सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत निर्मित नवीन विश्वेश्वरैया भवन अब विभिन्न विभागों के कार्यालयों का नया केंद्र बनने जा रहा है। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने एवं पुराने आरटीओ कार्यालय परिसर में निर्मित यह आधुनिक तीन मंजिला भवन पूरी तरह तैयार हो चुका है, जिसमें विभिन्न विभागों के कुल 09 शासकीय कार्यालयों को स्थानांतरित किया जा रहा है।

जिला प्रशासन के अनुसार वर्तमान में इनमें से कई कार्यालय जिला पंचायत के पुराने भवन, निजी भवनों तथा अन्य स्थानों पर संचालित हो रहे हैं। अलग-अलग स्थानों पर कार्यालय संचालित होने के कारण आम नागरिकों को विभिन्न कार्यों के लिए कई जगहों पर जाना पड़ता था। नवीन भवन में इन कार्यालयों के एकीकृत संचालन से नागरिकों को काफी सुविधा मिलेगी।

इन विभागों के कार्यालय होंगे संचालित

नवीन विश्वेश्वरैया भवन में लोक निर्माण विभाग (सेतु संभाग), लोक निर्माण विभाग (भवन संभाग), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना इकाई क्रमांक-01, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना इकाई क्रमांक-02, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की प्रयोगशाला (लेबोरेटरी), जिला रोजगार कार्यालय, बाल विकास परियोजना (शहरी) कार्यालय, वाणिज्यिक कर कार्यालय एवं टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (नगर तथा ग्राम निवेश) कार्यालय स्थानांतरित किए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के सेतु संभाग सहित कुछ कार्यालयों का नवीन भवन में संचालन प्रारंभ भी हो चुका है तथा शेष कार्यालयों का स्थानांतरण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

विश्वेश्वरैया भवन को आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। विशाल कक्षों, बेहतर बैठक व्यवस्था, पर्याप्त पार्किंग, सुगम आवागमन और नागरिक सुविधाओं से युक्त यह भवन प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने में सहायक होगा। भवन का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके तथा कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

आमजन को होगा सीधा लाभ

एक ही परिसर में कई महत्वपूर्ण कार्यालयों के संचालित होने से नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा। रोजगार, सड़क निर्माण, भवन निर्माण, बाल विकास, कराधान एवं नगर नियोजन जैसे विभिन्न विभागों से संबंधित कार्यों के लिए लोगों को एक ही भवन में सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस व्यवस्था से न केवल आमजन के समय और श्रम की बचत होगी, बल्कि विभागीय कार्यों में भी अधिक पारदर्शिता, समन्वय और दक्षता आएगी।

12 वर्षों की राष्ट्रसेवा और समर्पण को नमन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का

प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से

हार्दिक आभार और अभिनंदन

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

सादर प्रणाम

भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के रूप में आपके यशस्वी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मध्यप्रदेश की समस्त जनता तथा अपनी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, आधारभूत संरचना निर्माण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपके इस स्वर्णिम कार्यकाल की एक प्रमुख विशेषता, विश्व अर्थव्यवस्था के पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरना रहा है। रूस यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविडकाल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की अध्यक्षता इन सभी में भारत एक वर्ल्ड लीडर के रूप में सामने आया है। आतंकवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टॉलरेंस सभी ने देखी। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक और पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर, हर बार आपके मजबूत नेतृत्व में भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है।

आपके मन में देश के गरीब, किसान, मध्यम वर्ग के लोगों के लिये गहन संवेदना है। यही कारण है कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। आज पूरे देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आपने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान देकर उनका पक्की छत का सपना साकार किया है। जल जीवन मिशन से नल से जल की व्यवस्था हुई है। देश के अन्नदाता के प्रति आपकी सोच का ही परिणाम है कि पीएम किसान सम्मान निधि में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में जा चुकी है।

नारी सशक्तिकरण के लिये आपके प्रयास हम सब के लिये अनुकरणीय है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिये आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में आपने नारी सशक्तिकरण के लिये पीएम उज्ज्वला योजना, स्व-सहायता समूहों का गठन, लखपति दीदी, पीएम सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं की सौगात दी। आज देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।

प्रदेश को हमेशा पल-पल पर आपका मार्गदर्शन स्नेह और आशीर्वाद मिला है। आपने मध्यप्रदेश को केन- बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना जैसी सिंचाई परियोजनाओं की सौगात दी है, आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2025 में आपने स्वयं पधार कर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन कर हमें अनुग्रहीत किया था। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश को 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तेजी से ये धरातल पर उतर रहे हैं। आपके ही कर कमलों से धार में देश के पहले टेक्सटाइल पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन आपके जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में सम्पन्न हुआ।

आपका आशीर्वाद मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में मिला है। आपने सड़क अधोसंरचना में मध्यप्रदेश को बड़ी सौगातें दी हैं। आपने 136 कि.मी. लंबे लगभग 3 हजार करोड़ रुपये लागत से उज्जैन- गरोठ ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण कराया जिससे इंदौर एवं उज्जैन के लोगों को दिल्ली से कनेक्टिविटी मिली। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल 22 कि.मी. टाइगर कॉरिडोर, भोपाल- कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति, 6-लेन आगरा - ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। आपके द्वारा प्रदेश को दी गई कई सड़क परियोजनायें प्रगतिरत हैं।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में वर्ष 2026 "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गेहूं में समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों द्वारा 104.36 लाख मे. टन गेहूं विक्रय किया गया है। यह विगत 10 वर्षों में सर्वाधिक है। भावान्तर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उत्पादक लगभग 6 लाख 86 हजार किसानों के खाते में लगभग 1 हजार 454 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया है।

आपके नेतृत्व में गरीबों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में मध्यप्रदेश लगातार कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को अपना पक्का घर मिला है वहीं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में 54.08 लाख नागरिकों को आवास मिले हैं। आवास पूर्णता में संख्यात्मक रूप में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश में 15.94 लाख प्रकरणों में 2697 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 12 से बढ़ कर 14 हो गई है। इसी तरह से भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का भी आपके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विस्तार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हैं तथा 8 नए कॉलेज स्थापित किये जा रहें हैं। आपकी राष्ट्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी सौगात "आयुष्मान भारत" में जनसंख्या अनुपात में आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

आप ने इन 12 वर्षों में भारत वर्ष के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को भी पुन: जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र की चेतना का जागरण है। आपके द्वारा काशी विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम एवं सोमनाथ धाम का विकास वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। वर्ष 2014 में आपके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

आपके कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, उसे मध्यप्रदेश ने भी प्राप्त कर लिया। यह आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि दशकों से चली आ रही एक राष्ट्रीय समस्या का उन्मूलन संभव हो सका। अब आपके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित गाँवों के त्वरित विकास के लिये माइक्रो डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सफल नेतृत्व की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व में और अधिक गौरवशाली स्थान प्राप्त करेगा।

सादर !

भवदीय

(डॉ. मोहन यादव)
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D11032/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

न्यूज गैलरी

सड़क हादसे में घायल युवती की उपचार के दौरान मौत,युवक की हालत भी नाजुक

लालबर्रा-सिवनी हाईवे में कटंगटोला नाला के पास हुआ था सड़क हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लालबर्रा-सिवनी हाईवे कटंगटोला नाला के पास मंगलवार को हुए एक स?क हादसे में गम्भीर रूप से घायल युवती की गोंदिया के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।वही इस सड़क हादसे में गम्भीर रूप से घायल युवक उत्तम राहंगडाले (28) की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसका गोंदिया के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।।उधर सड़क हादसे में उपचार के दौरान मौत होने पर युवती प्रेमलता पिता टेकचंद पांचे (19) के शव का गोंदिया अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर, अंतिम संस्कार के लिए शव उनके गृह ग्राम किरनापुर थाना क्षेत्र के धड़ी लाया गया है।जहा परिजनों, परिचितो और ग्रामीणो की मौजूदगी में बुधवार की शाम अंतिम संस्कार किया गया है।

एक ही गांव के बताए जा रहे युवक युवती

प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवती और युवक, एक ही गांव के रहने वाले है, युवती प्रेमलता, मंगलवार को बीएससी सेकंड इयर का पेपर देने सुबह घर से आई थी। जिसके बाद, वह युवक उत्तम राहंगडाले के साथ कब गई और कहां जा रही थी, इसकी कोई जानकारी परिजनों को नहीं है। दुर्घटना के बाद उसके पास मिले मोबाईल नंबर से परिजनों को उसके घायल होने की खबर मिली। जिसके बाद परिजन, लालबर्रा पहुंचे। जहां से गंभीर रूप से घायल युवक और युवती को जिला अस्पताल लाया गया था। यहां से भी उन्हें रिफर कर दिया गया। जिसके बाद युवक, युवती के परिजन, उन्हें लेकर गोंदिया के अलग-अलग निजी अस्पताल लेकर गए थे। जहां गंभीर रूप से घायल युवती ने दम तोड़ दिया। जिसका बुधवार को पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आरोपी वाहन चालक को तलाश रही पुलिस

जानकारी के मुताबिक मंगलवार को ये दोनों युवक युवती मोटरसाइकिल में सवार होकर लालबर्रा-सिवनी हाईवे कटंगटोला नाला के पास से कही जा रहे थे।उसी दरमियान युवक की मोटर सायकिल को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। जिसमें युवक, युवती गंभीर रूप से घायल हो गए थे।दुर्घटना में दोनो के पैर टूट गए थे और सिर तथा शरीर के अन्य हिस्सो में गंभीर चोटें आई थी। फिलहाल लालबर्रा पुलिस, मोटर सायकिल को टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।वहीं घटना में युवती के मौत हो जाने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।उधर पुलिस द्वारा जल्द ही फरार आरोपी को गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है।

राशन दुकानों से पीडीएस गेहूं चावल चोरी करने वाले गिरहों का पुलिस ने किया खुलासा

अंतरराज्यीय गिरोह के 04 आरोपी गिरफ्तार, एक फरार, अन्य संदिग्ध भी रडार पर, जिले की 13दुकानों से करीब 250 क्विंटल पीडीएस गेहूं चावल की हुई थी चोरी, उप्र से लेकर कवर्धा, बालाघाट, सिवनी, मंडला सहित अन्य जिलों तक फैला था कारोबार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पिछले दो वर्षों से जिले के गढ़ी, बैहर, बिरसा और मलाजखंड थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामो में स्थित सरकारी उचित मूल्य की राशन दुकानों से, पीडीएस चावल और गेहूं की चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। जिनके पास से पुलिस ने, 13 राशन दुकानों से चोरी किए गए 250 क्विंटल पीडीएफ चावल और गेहूं को जप्त किया है।वही इस मामले में पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस मामले में गिरोह का एक सदस्य आरोपी फिलहाल फरार बताया जा रहा है जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।बताया गया कि अनाज चोरी का ये सिलसिला जिले में पिछले दो सालों से चल रहा था। शिकायत पर पुलिस ने जब सूक्ष्मता से इसकी जांच की, तो इसमें अंतरराज्यीय गिरोह की सॅलिप्तता पाई। जिसका खुलासा बुधवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने किया है।

आरोपियों में इनका शमावेश

सरकारी अनाज चोरी करने वाले इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जबकि एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताया गया है।जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों में सानू पिता रज्जाक मंसूरी (27) कबीरधाम,(छग), रज्जन पिता गजराज वर्मा (26) कबीरधाम, (छग), सद्दाम पिता रुस्तम शाह (28) जालौन, (उप्र), और रिजवान पिता जारअली शाह (28) जालौन, (उप्र) के नाम का समावेश है जबकि चोरी के इसी मामले में लिप्त एक अन्य आरोपी इंद्रजीत वेदांत फरार बताया गया है। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है जिसे भी जल्द गिरफ्तार किए जाने की बात पुलिस द्वारा कही गई है।

इन क्षेत्र की राशन दुकानों से चोरी किया गया था अनाज

पुलिस अधीक्षक से मिली जानकारी के मुताबिक इन आरोपियों ने गढ़ी क्षेत्र के ग्राम घुईटोला, बैहर क्षेत्र के ग्राम जत्ता, मजगांव, डुडगांव एवं करेली, बिरसा क्षेत्र के ग्राम खुर्सीपार तथा मलाजखंड क्षेत्र के ग्राम टिंगीपुर, पल्हेरा, परसाही और सुरवाही स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकानों को निशाना बनाया था। वो दुकानों के शटर, चैनल गेट और ताले तोड़कर खाद्यान्न चुराते थे। विशेष पुलिस टीम ने संभावित क्षेत्रों में गश्त, नाकाबंदी, तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। पल्हेरा की राशन दुकान में चोरी की सूचना पर नाकाबंदी की गई। संदिग्ध पिकअप वाहन का बछेरापाठ-भोरा जंगल मार्ग पर पीछा कर घेराबंदी की गई, जिसमे चालक सहित चार आरोपियों को पकड़ लिया गया। वही कोर्ट से आरोपियों को 10 दिनों की रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। जिसमें आगे भी और खुलासे होने की बात कही जा रही है।

उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र तक फैला था आरोपियों का नेटवर्क

पुलिस अधीक्षक से मिली जानकारी के मुताबिक ये गिरोह बालाघाट ही नहीं, मंडला, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ के कबीरधाम (कवर्धा) में राशन दुकानों से पीडीएस चावल और गेहूं पर हाथ साफ कर रहे थे। इसके लिए बकायदा पिकअप वाहन का इस्तेमाल किया जाता था।बताया गया कि आरोपियो ने बाजार में ऊंचे दामों पर चोरी किए अनाज को बेचकर लाभ कमाने की नीयत से घटना को अंजाम दिया था। पुलिस को चोरी किए अनाज की खरीदी करने वाले कुछ अनाज व्यापारियों की भी जानकारी मिली है।वहीं इसी मामले में कुछ संदिग्धों को भी चिन्हित किया गया है, आगे भी पुलिस द्वारा इसी मामले में अन्य खुलासे होने की बात कही जा रही है।

फरवरी 2025 से जिले में हुई थी इस चोरी की शुरुवात

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया की राशन दुकानों से अनाज चोरी के सिलसिले की शुरुआत फरवरी 2025 में गढ़ी के ग्राम बोदा से हुई थी। इसके बाद जून 2025 को गढ़ी के ही खजरा में भी चोरी सामने आई। चोरी का ये सिलसिला बढ़ता गया, जो 13 दुकानों और 250 क्विंटल की मात्रा तक पहुंच गया। छग के कबीरधाम और मंडला में भी ऐसे 15 प्रकरण सामने आए थे। बालाघाट पुलिस ने एसआइटी गठित की और पड़ताल में जुटी, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। बिरसा की एक राशन दुकान में चावल चोरी की घटना की जांच में जब दुकान के मैनेजर के मोबाइल की जांच की गई, तो उसमें वही मोबाइल नंबर मिला, जो मंडला और अन्य दुकानों में चोरी के समय पुलिस को मिला था।बताया गया कि आरोपी बिरसा की दुकान में चोरी की नीयत से पहुंचे थे और मैनेजर को झांसा देकर अपना नंबर दिया था। यही वो कड़ी थी, जिससे पुलिस आरोपियों तक पहुंची और कड़ी से कड़ी जोड़कर इस पूरे गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

दिखावे के खोलते थे कबाड़ी की दुकान

पुलिस द्वारा बताया गया कि आरोपी जिस इलाके में अनाज चोरी करते थे, वहां कबाड़ी बनकर पुलिस को चकमा देते थे। कबीरधाम में भी उन्होंने यही तरीका अपनाया। बालाघाट में बैहर में भी आरोपियों ने बकायदा एक दुकान खोली थी, जिसके जरिये वो खुद को कबाड़ का काम करने वाला दिखाकर राशन दुकानों में मौका पाकर अनाज चुराते थे। दिन में रैकी के बाद रात में घटना को अंजाम देते थे। बैहर में आरोपियों की कबाड़ की दुकान से लोहे के टुकड़े व अन्य टूटी-फूटे सामान ही मिले हैं। अंतराज्यीय गिरोह के कारनामों की जांच के लिए वर्तमान में मंडला पुलिस बालाघाट में है। कबीरधाम पुलिस भी बालाघाट आएगी और आरोपियो से पूछताछ करेगी।बताया गया कि आरोपियों को 10 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।वही फरार आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की एक टीम जालौन (उप्र) रवाना की गई है।

इनकी रही अहम भूमिका

प्रकरण के खुलासे में गठित एसआईटी टीम के सदस्य एसआई अमित अग्रवाल, थाना प्रभारी बिरसा उप निरीक्षक अभिषेक तोमर, एआई विनोद नागर, धर्मेन्द्र जोनवार, मनोज मांगरे, शिवलाल परते, एएसआई राजेश सनोडिया, प्रआर. राधेश्याम गायधने, एएसआई कालीराम उइके, आर. ब्रजलाल उइके सहित अन्य की अहम भूमिका रही।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

बैहर रोड मानेगांव चौक में सड़क हादसा, स्कूटी-ऑटो की टक्कर में दो महिला स्वास्थ्य कर्मचारी घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र अंतर्गत बैहर रोड स्थित ग्राम मानेगांव चौक में बुधवार को सड़क हादसे में दो महिला स्वास्थ्य कर्मचारी घायल हो गई। दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।घायल दोनों महिला स्वास्थ्य कर्मचारी चंद्र किरण उइके पति प्रभु दयाल उइके 49 वर्ष वार्ड नंबर 13 सुभाष नगर बूढ़ी बालाघाट तथा स्नेहलता देशमुख पिता नामदेव देशमुख 42 वर्ष ढीमर मोहल्ला बालाघाट निवासी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंद्र किरण उइके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर पदस्थ हैं जबकि स्नेहलता देशमुख उसी स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। दोनों प्रतिदिन स्कूटी से स्वास्थ्य केंद्र आना-जाना करती हैं। बताया गया कि 10 जून को दोनों कर्मचारी स्कूटी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली गई थीं। शाम लगभग 4 बजे कार्य समाप्त करने के बाद वे बालाघाट लौट रही थीं। स्कूटी चंद्र किरण उइके चला रही थीं। गांगुलपारा घाट उतरने के बाद जैसे ही उनकी स्कूटी मानेगांव चौक पहुंची तभी सामने चल रहा एक ऑटो चालक बिना इंडिकेटर दिए अचानक मुड़ गया। इससे स्कूटी ऑटो से टकरा गई और दोनों महिलाएं सड़क पर गिर गईं। हादसे के बाद ऑटो चालक ने दोनों घायलों को उठाया और उनका सामान सौंपने के बाद वहां से चला गया। इसके बाद स्नेहलता देशमुख ने अपने भाई को फोन कर मौके पर बुलाया। दोनों घायल महिलाओं को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। दोनों महिला स्वास्थ्य कर्मचारी को मामूली चोटें पाई गईं थी। उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें छुट्टी दे दी। वहीं जिला अस्पताल पुलिस ने चंद्र किरण उइके का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही के लिए भरवेली थाना भेज दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट